मनेन्द्रगढ़
28 फरवरी 2026 शनिवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

दिल्ली शराब नीति केस

केजरीवाल-सिसोदिया सीबीआई केस में बरी, कोर्ट बोला- चार्जशीट में खामियां

फैसले के बाद केजरीवाल रोते हुए बोले- जिंदगीभर ईमानदारी कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। शराब घोटाला केस में दिल्ली कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को छ्व्द्ध केस में बरी कर दिया है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने शुक्रवार को कहा- दोनों के खिलाफ बिना सबूत के आरोप साबित नहीं होता है। इस मामले में छ्व्द्ध ने कुल 23 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। कोर्ट ने सभी के खिलाफ आरोप तय करने से इनकार करते हुए सभी को बरी कर दिया।

कोर्ट के बाहर केजरीवाल ने मीडिया से बात की, इस दौरान वे रोने लगे, उन्होंने कहा... पिछले कुछ सालों से जिस तरह से बीजेपी शराब घोटाला, शराब घोटाला कर रही थी। हमारे ऊपर आरोप लगा रही थी। आज कोर्ट ने सारे आरोप खारिज कर दिए और हम सबको डिस्चार्ज कर दिया। हम हमेशा कहते थे कि हमें भारतीय न्याय प्रणाली पर भरोसा है। मैं जज साहब का बहुत-बहुत शुक्रिया करता हूं, जिन्होंने हमारे साथ न्याय किया। सत्य की जीत हुई। भगवान हमारे साथ है। मोदी जी और अमित शाह जी ने मिलकर आजाद भारत का यह सबसे बड़ा राजनीतिक षड्यंत्र रचा। आम आदमी पार्टी को खत्म करने के लिए आम आदमी पार्टी के सबसे बड़े पांच नेताओं को जेल में डाल दिया। आज तक आजाद भारत के इतिहास में ऐसा नहीं हुआ। सिटिंग चीफ मिनिस्टर को घर से घसीटकर जेल में डाला गया और छह महीने तक जेल में रखा गया। हमारे उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया जी को दो साल तक जेल में रखा गया।

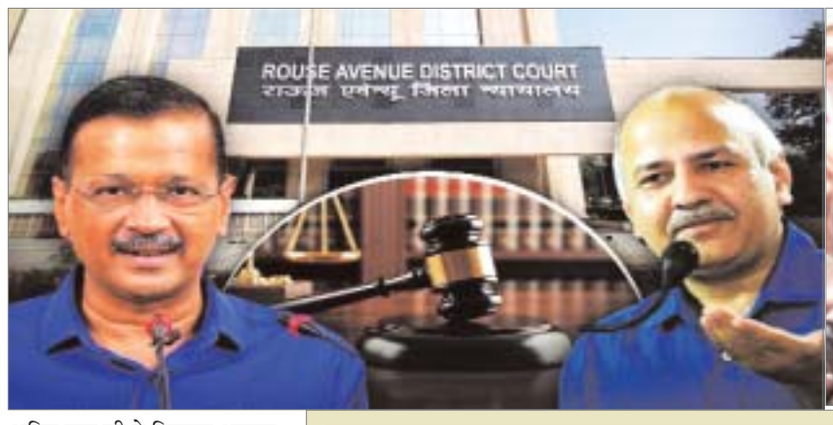

सीबीआई ने कहा- फौरन दिल्ली हाईकोर्ट में अपील करेंगे

आबकारी नीति मामले में केजरीवाल समेत 23 आरोपियों को बरी किए जाने पर सीबीआई ने कहा- जांच के कई पहलुओं को या तो नजरअंदाज किया गया या पर्याप्त रूप से विचार नहीं किया गया। ट्रायल कोर्ट के फैसले के खिलाफ तुरंत दिल्ली हाई कोर्ट में अपील करेंगे।

स्पेशल जज जितेंद्र सिंह ने फैसला सुनाया

स्पेशल जज जितेंद्र सिंह ने इस केस का फैसला सुनाया। वे दिल्ली कोर्ट के एक अनुभवी जज हैं। वे दिल्ली ज्यूडिशियल सर्विस के एक सीनियर न्यायिक अधिकारी हैं। अभी वे नई दिल्ली के राउज एवेन्यू डिस्ट्रिक्ट कोर्ट कॉम्प्लेक्स में स्पेशल जज (पीसी एक्ट) सीबीआई-01 के पद पर तैनात हैं। यहां वे भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम से संबंधित मामलों, विशेष रूप से सीबीआई की जांच वाले केसों की सुनवाई करते हैं। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी से लॉ की डिग्री हासिल की है। अक्टूबर 2024 में उन्हें एडिशनल सेशंस जज बनाया गया था।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान में जंग के हालात

अफगानिस्तान का दावा हमने पाक के 55 सैनिक मारे

पाक की जवाबी एयरस्ट्राइक, कहा- 133 लड़ाके मारे; रक्षा मंत्री आसिफ बोले- खुला युद्ध छिड़ा

इस्लामाबाद, एजेंसी। अफगानिस्तान ने गुरुवार देर रात पाकिस्तान पर हमला किया। टोलो न्यूज के मुताबिक तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने इस हमले में 55 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराने का दावा किया। यह हमला 22 फरवरी को अफगानिस्तान में पाकिस्तानी एयरस्ट्राइक के जवाब में किया गया।

अफगान सरकार का दावा है कि 23 पाकिस्तानी सैनिकों के शव उसके पास हैं। पाकिस्तानी सेना के एक हेडक्वॉर्टर और 19 चौकियों पर भी कब्जा कर लिया गया है।

वहीं, पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक जवाबी कार्रवाई करते हुए क्क्य सरकार ने ऑपरेशन 'गजब लिल हक' शुरू किया है। पाकिस्तान की वायुसेना ने काबुल, नंगरहार प्रांत समेत कई शहरों में एयरस्ट्राइक की।

पाकिस्तान का दावा है कि अब तक 133 अफगान तालिबान लड़ाके मारे गए और 200 से ज्यादा घायल हैं। 27 तालिबान चौकियां तबाह कर दी गई हैं और 9 पर कब्जा कर लिया गया है।

पाक रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि हमारे सब्र की सीमा पार हो चुकी है, अब हमारे और आपके बीच खुला युद्ध छिड़ गया है।

हमले में कितने लोग मरे, दोनों देशों के दावे अलग :पाकिस्तान और तालिबान सरकार दोनों पक्षों ने हमलों के बाद हुए नुकसान के अपने-अपने दावे किए हैं। अफगानिस्तान रक्षा मंत्रालय ने कहा कि 55 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए, जिनमें से कुछ शव अफगानिस्तान ले जाए गए, जबकि कई अन्य को जिंदा पकड़ लिया गया। अफगान रक्षा मंत्रालय ने ये भी बताया कि पाकिस्तान के हमलों में हमारे 8 लोग मारे गए, जबकि 11 घायल हुए। हमने 19 पाकिस्तानी आर्मी पोस्ट और दो बेस तबाह किए। हमला शुरू होने के करीब चार घंटे बाद आधी रात को लड़ाई खत्म हो गई थी। वहीं, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के प्रवक्ता मुशर्रफ अली जैदी ने 133 अफगान तालिबान लड़ाकों को मार गिराने का दावा किया है।

AIADMK से निष्कासित पूर्व सीएम पन्नीरसेल्वम DMK में शामिल

मुख्यमंत्री स्टालिन ने सदस्यता दिलाई, तीन बार तमिलनाडु के सीएम रह चुके

नई दिल्ली, एजेंसी। तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिला। पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व AIADMK नेता ओ पन्नीरसेल्वम (ओपीएस) ने शुक्रवार को छ्रु्व्य का दामन थाम लिया। उन्होंने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की मौजूदगी में पार्टी जॉइन की। यह कदम अप्रैल-मई में होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले उठाया गया है।तीन बार सीएम रहे पन्नीरसेल्वम जे जयललिता के करीबी ओ.पन्नीरसेल्वम पहली बार 2001 में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने थे। हालांकि 6 महीने बाद ही उन्होंने इस्तीफा दे दिया था।

फाइटर हेलिकॉप्टर प्रचंड में उड़ान भरने वाली मुर्मू पहली राष्ट्रपति

कॉकपिट से देश को मैसेज-वीर सैनिकों को गर्व के साथ धन्यवाद; जय हिंद, जय भारत

जैसलमेर, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को जैसलमेर एयरफोर्स स्टेशन से स्वदेशी लाइट कॉम्बैट हेलिकॉप्टर (LCH) प्रचंड में उड़ान भरी। वे हेलिकॉप्टर प्रचंड में बतौर को-पायलट उड़ान भरने वाली देश की पहली राष्ट्रपति हैं।

राष्ट्रपति ने उड़ान के दौरान हेलिकॉप्टर के कॉकपिट से सैल्यूट किया। राष्ट्रपति मुर्मू इससे पहले लड़ाकू विमान सुखोई और राफेल में उड़ान भरने वाली देश की पहली राष्ट्रपति बनी थीं।

राष्ट्रपति मुर्मू सुबह करीब 9:15 बजे जैसलमेर वायुसेना स्टेशन पहुंची थीं। सेना के अधिकारियों ने उन्हें हेलिकॉप्टर के बारे में ब्रीफिंग दी। इसके बाद राष्ट्रपति हेलिकॉप्टर के कॉकपिट में बैठीं।

फिर सुबह करीब 10.15 बजे ग्रुप कैप्टन एन.एस. बहुआ के साथ हेलिकॉप्टर में उड़ान भरी। हेलिकॉप्टर में 25 मिनट उड़ान के दौरान राष्ट्रपति ने सीमावर्ती क्षेत्रों और पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज का हवाई जायजा लिया।

जैसलमेर के सोनार दुर्ग के ऊपर 'प्रचंड' हेलिकॉप्टर में उड़ान भरते हुए राष्ट्रपति ने रेडियो के माध्यम से देश के नाम संदेश दिया।

कोलकाता सहित बंगाल के कई जिलों में भूकंप, 5.4 तीव्रता

तेज झटके महसूस हुए, इमारतें हिलीं, लोग सड़कों पर निकले; बांग्लादेश के ढाका में था केंद्र

कोलकाता ,एजेंसी। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता सहित कई जिलों में शुक्रवार दोपहर करीब 1.30 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। जानकारी के मुताबिक, भूकंप का केंद्र बांग्लादेश के ढाका स्थित अगरगांव में था। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.3 मापी गई। पश्चिम बंगाल से अगरगांव की दूरी लगभग 26 किलोमीटर बताई जा रही है। झटके इतने तेज थे कि कोलकाता में बहुमंजिला इमारतें कुछ सेकेंड तक हिलती रहीं। अचानक कंपन महसूस होते ही लोग घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। कोलकाता के अलावा हावड़ा, हुगली, झाड़ग्राम और पश्चिम मेदिनीपुर जिलों में भी लोगों के बीच दहशत का माहौल बन गया। कई इमारतों में बंद पड़े सीलिंग फैन तक हिलते नजर आए।

संघ प्रमुख बोले- देशहित के लिए तीन बच्चे जरूरी : मोहन भागवत ने नशा रोकने का फार्मूला सुझाया

कहा- पैरेंट्स बच्चों को समय दें

लुधियाना, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शताब्दी वर्ष में संघ प्रमुख डॉ मोहन भागवत पंजाब प्रवास पर हैं। वो तीन दिन से पंजाब में हैं और अलग-अलग वर्ग के लोगों मिल रहे हैं। संघ प्रमुख ने देश की डेमाग्राफी में हो रहे बदलाव से लेकर नशे के संबंध में पूछे गए सवालों के खुलकर जवाब दिए।

संघ प्रमुख ने कहा कि देश हित के लिए तीन बच्चे जरूरी हैं। ऐसा कई शोधों में भी साबित हो चुका है। उन्होंने कहा कि हमारे लोगों के बच्चों की संख्या कम हो रही है और वो बढ़ रहे हैं। जो चिंता का विषय हे। उन्होंने कहा कि तीन बच्चे सर्वोत्तम, दो बच्चे खराब और एक बच्चा पैदा करना बेहद खराब है। वहीं पंजाब में बढ़ते नशे के सवाल पर उन्होंने गहरी चिंता जाहिर की।

'कोई नहीं कर सकता हमारे आदेश का उल्लंघन', बंगाल एसआईआर पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि न तो चुनाव आयोग और न ही राज्य सरकार हमारे आदेशों का उल्लंघन करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि हमने स्पष्ट कर दिया है कि किन दस्तावेजों की जांच की जानी है। हमारे आदेश बिलकुल स्पष्ट हैं।

सुप्रीम कोर्ट में पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से बताया गया कि चुनाव आयोग ने राज्य में मतदाता सूचियों के एसआईआर में तैनात न्यायिक अधिकारियों के लिए एक प्रशिक्षण मॉड्यूल जारी किया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर टिप्पणी की कि वह अपने न्यायिक अधिकारियों को जानता है और वे किसी भी चीज से प्रभावित नहीं होंगे।

न्यायिक अधिकारियों के लिए जारी किया प्रशिक्षण मॉड्यूल : बंगाल सरकार :पश्चिम बंगाल की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिबल ने मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ के सामने इस मामले का उल्लेख किया। उन्होंने पीठ से कहा, 'चुनाव आयोग ने पीठ पीछे न्यायिक अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। एक प्रशिक्षण मॉड्यूल जारी किया है जिसमें कहा गया है कि उन्हें क्या स्वीकार करना चाहिए और क्या नहीं।' इस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि राज्य में इस प्रक्रिया के लिए तैनात न्यायिक अधिकारी इस संबंध में फैसले लेंगे। सीजेआई ने कहा, 'हम इस तरह की बातें बर्दाश्त नहीं कर सकते। इसका अंत होना चाहिए। हम अपने न्यायिक अधिकारियों को जानते हैं और वे किसी भी चीज से प्रभावित नहीं हो सकते।'

बंगाल एसआईआर में तैनात अधिकारी भटककर ओडिशा पहुंचे, बच्चा चोर समझकर लोगों ने पीटा

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में एसआईआर विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के लिए तैनात दो अधिकारी गलती से पड़ोसी राज्य ओडिशा के बालासोर जिले के एक गांव में घुस गए थे। वहां के स्थानीय लोगों ने उन पर बच्चा अपहरण करने वाले गिरोह के सदस्य होने के संदेह में हमला कर दिया था। यह जानकारी शुक्रवार को पुलिस ने दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना बुधवार को उस समय की है, जब दो अधिकारी बालासोर जिले के रायबानिया पुलिस थाना क्षेत्र के एक गांव में दाखिल हुए, जिसकी सीमा पश्चिम बंगाल से लगती है।

बच्चा अपहरण गिरोह समझ कर किया हमला :पुलिस के अनुसार, दोनों अधिकारियों को एसआईआर के काम के लिए सूक्ष्म पर्यवेक्षक के रूप में तैनात किया गया था। उन्हें पश्चिम बंगाल के नयाग्राम ब्लॉक के एक गांव का दौरा करना था, लेकिन वे गलती से ओडिशा के सीमावर्ती गांव में प्रवेश कर गए क्योंकि उनकी किराए की ऑटो-रिक्शा उस सटीक गांव का पता नहीं लगा पाई जहां उन्हें जाना था। पुलिस ने बताया कि स्थानीय लोगों को उन पर बच्चा अपहरण करने वाले गिरोह का सदस्य होने का संदेह था। इस वजह से उन्होंने उन पर हमला किया।

बांके बिहारी को लगा रंग, नाचते हुए पहुंचे भक्त

वृंदावन में विदेशियों ने भी खेली होली, कहा- मजा आ गया

मथुरा, एजेंसी। मथुरा के वृंदावन में रंगभरी एकादशी पर शुक्रवार को अनोखा नजारा दिखा। बांके बिहारी जी को रंग और अबीर लगाने के साथ ही ब्रज की होली की शुरुआत हुई। मंदिर रंग-बिरंगे गुलाल में डूबा नजर आया। पुजारियों ने प्रसादी गुलाल भक्तों पर बरसाया। फूल, जलेबी और लड्डू लुटाए।प्रसाद पाने के लिए भक्तों में होड़ मच गई। शरीर पर अबीर पड़ते ही भक्त खुशी से झूम उठे। बांके बिहारी जी के जयकारों से माहौल भक्तिमय हो उठा। अबीर से सराबोर भक्तों ने बांके बिहारी के दर्शन किए। आशीर्वाद लिया। फिर बाहर आकर हवा में रंग और अबीर उड़ाया और एक-दूसरे को गुलाल लगाया।

इस दौरान वृंदावन की गलियां भक्तों से भरी रहीं। हर तरफ अबीर-गुलाल दिखाई दे रहा है। अबीर गुलाल से रंगे भक्त ढोल-नगाड़ों पर झूम रहे हैं। 'आज ब्रज में होली रे रसिया' गाने पर नाच रहे हैं।

बड़ी संख्या में भक्त वृंदावन की पंचकोसीपरिक्रमा कर रहे हैं। कई भक्त अपने लड्डू गोपाल को गोद में लेकर आए हैं। महिलाएं भजन गा रही हैं। श्रद्धालु राधे-

राधे बोलते हुए गुलाल उड़ाकर चल रहे हैं। थोड़ी देर बाद राधा वल्लभ मंदिर से राधा कृष्ण का डोला निकलेगा। बग्गी पर सवार होकर राधा कृष्ण के स्वरूप शहर में जगह-जगह होली खेलेंगे। माना जा रहा है कि करीब 10 लाख भक्त वृंदावन पहुंचे हैं। इससे पहले, गुरुवार को नंदगांव और बुधवार को बरसाना में लठमार होली खेली गई थी।

ब्रज में सवा महीने पहले शुरू होती है होली :बांकेबिहारी मंदिर के सेवायत श्रीनाथ गोस्वामी ने बताया कि पूरे संसार में होली मनाई जाती है, लेकिन ब्रजमंडल में होरा मनाया जाता है। सवा महीने पहले होली शुरू हो जाती है। ठाकुरजी एक-एक गांव में होली खेलते हुए आते हैं। रंगभरनी एकादशी से ठाकुर जी बांकेबिहारी मंदिर में भक्तों के साथ होली खेलना शुरू कर देते हैं।

वृंदावन में 402 साल से निकल रहा होली का डोला :राधाबल्लभ मंदिर से निकलने वाले होली के डोला की परंपरा 402 साल पुरानी है। यहां भगवान राधा कृष्ण रास मंडल से निकलकर होली खेलते हैं। पहले हाथी पर बैठकर भगवान शहर में होली खेलने निकलते थे। लेकिन अब बग्गी में बैठाकर डोला निकाला जाता है।

अखिल भारतवर्षीय श्री राधावल्लभीय वैष्णव महासभा के अध्यक्ष श्री हित सम्प्रदायाचार्य योगेंद्र वल्लभ गोस्वामी महाराज ने बताया- पिछले 402 साल से श्रीधाम वृंदावन में लगातार डोला की परंपरा निभाई जा रही है। इस दिन भगवान अपने साथियों संग नगर में होली खेलने निकलते हैं।

राजस्थान में सनसनीखेज खुलासा: रिश्तेदारों ने की थी 4 साल के प्रिंस की हत्या, एक्सप्रेसवे के किनारे दफनाया शव

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के दौसा जिले में छह साल पहले लापता हुए चार वर्षीय मासूम प्रिंस उर्फ टिल्लू के मामले में अब एक बेहद दर्दनाक और चौंकाने वाली सच्चाई सामने आई है। पुलिस जांच में पता चला है कि बच्चे की हत्या उसके ही रिश्तेदार अनिल और कृष्णा ने कथित तौर पर आपसी रंजिश के चलते की और शव को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के किनारे दफना दिया। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और उन्होंने पूछताछ में जुर्म कबूल कर लिया है। मामला 16 अगस्त 2020 का है, जब ऊनबड़ा गांव की रामदेवा ढाणी में प्रिंस अपने घर के आंगन में खेलते-खेलते अचानक लापता हो गया था। परिवार ने गांव-गांव, रिश्तेदारी और दिल्ली-जयपुर तक खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

2021 में परिवार ने राजस्थान हाईकोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की, जिसके बाद जांच तेज हुई। वर्षों में सात जांच अधिकारी बदले गए, लेकिन मामला अनसुलझा रहा।

हाईकोर्ट के सख्त निर्देश पर पुलिस ने गहन जांच की और आखिरकार आरोपी टूट गए। पुलिस के अनुसार, अनिल और कृष्णा ने रंजिश (कुछ रिपोर्टों में आरोपी की मां के सुसाइड से जुड़ी बात बताई गई) के कारण बच्चे को घर से उठाया, चाकू से गोदकर हत्या की और शव को कट्टे में बंद कर अगले दिन रात दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के पास (निर्माणाधीन इलाके में) दफना दिया। आरोपी ने निशानदेही पर पुलिस ने खुदाई शुरू की।

दिल्ली से मंगाई गई ग्राउंड पेनिट्रेटिंग रडार मशीन ने जमीन के लगभग 9 मीटर (30 फीट) नीचे संदिग्ध संकेत दिए। इसके आधार पर जेसीबी मशीनों से तीन दिनों से 24 घंटे लगातार खुदाई चल रही है। अब तक 15 फीट से अधिक गहराई तक खोदा जा चुका है, लेकिन शव या कंकाल नहीं मिला है। कुछ रिपोर्टों में 180-300 फीट तक के इलाके में खुदाई का जिक्र है। पुलिस एनएचएआई से सड़क तोड़ने की अनुमति मांग रही है और मौसम विभाग से भी सहायता ली जा रही है।

प्रिंस के पिता जगमोहन बैरवा, जो दुबई में काम करते थे, 21 फरवरी को खबर मिलते ही भारत लौट आए। एनडीटीवी को दिए इंटरव्यू में उन्होंने भावुक होकर कहा कि अगर मेरा बेटा मिल जाए, चाहे उसकी हालत कैसी भी हो, मुझे खुशी होगी। मुझे पुलिस और न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है कि न्याय मिलेगा। प्रिंस की बहन अर्चना और भाई समर सदमे में हैं। अर्चना ने बताया कि अनिल अक्सर टिल्लू को मोटरसाइकिल पर घुमाने ले जाता था और खोज में भी शामिल हुआ था, जो अब धोखे जैसा लगता है। समर ने उसे शरारती लेकिन प्यारा बच्चा बताया, जो टूटे खिलौने ठीक करवाने आता था।

परिवार का आंगन आज भी उदास है ङ्क बच्चे इधर-उधर बैठे हैं, एक नीम का पेड़ खड़ा है जिसकी उम्र ठीक उतनी है जितनी आज प्रिंस की होती। यह मामला न केवल एक परिवार की त्रासदी है, बल्कि बच्चों की सुरक्षा, परिवार में रंजिश और लंबी जांच प्रक्रिया पर गंभीर सवाल भी खड़े करता है। पुलिस खुदाई जारी रखे हुए है और मामले की जांच विभिन्न एंगल से की जा रही है।

हैदराबाद : हनुमान मंदिर में हुई चोरी और तोड़फोड़ की घटना, तीन नाबालिग रोहिंग्या पकड़े गए

हैदराबाद, एजेंसी। हैदराबाद शहर के चंद्रायणगुट्टा थाना क्षेत्र में स्थित एक मंदिर में हनुमान जी की मूर्ति को नुकसान पहुंचाने और तांबे का बर्तन चोरी करने के आरोप में तीन रोहिंग्या नाबालिगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस के अनुसार 24 फरवरी को बरकास इलाके के हनुमान मंदिर में तोड़फोड़ और चोरी की शिकायत दर्ज कराई गई थी। अज्ञात लोगों द्वारा मंदिर का ताला तोड़कर अंदर घुसने और तांबे का बर्तन चोरी करने की बात सामने आई थी। जांच के दौरान पुलिस की विशेष टीमों ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच की। फुटेज में कुछ बच्चे संदिग्ध तरीके से पालीथिन बैग लेकर जाते हुए दिखाई दिए। इसके बाद पुलिस ने तीन नाबालिगों को बालापुर इलाके में उनके घरों से पकड़ लिया। पुलिस ने बताया कि पूछताछ में नाबालिगों ने पत्थर से ताला तोड़कर मंदिर में प्रवेश करने, तांबे का बर्तन चोरी करने और मूर्ति को नुकसान पहुंचाने की बात स्वीकार की है। ये सभी म्यांमार मूल के रोहिंग्या बताए गए हैं। पुलिस के अनुसार, नाबालिग गलत गतिविधियों में लिप्त थे और खर्च के लिए चोरी करने की योजना बनाई थी। तीनों को बाल सुधार गृह भेज दिया गया है। भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने इस घटना की निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

यूपी-बिहार से लेकर एमपी और राजस्थान तक पारा 30 के पार

पहाड़ी राज्यों में बारिश-बर्फबारी की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। फरवरी के आखिरी सप्ताह में मौसम में तेजी से बदलाव देखने को मिल रहा है। तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोत्तरी के साथ गर्मी अपना असर दिखाना शुरू कर रही है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और हरियाणा के कई शहरों में तापमान 30एष्ट के पार चला गया है। वहीं, आज कई राज्यों में बारिश का भी अलर्ट जारी है। आइए जानते हैं देशभर के मौसम का हाल... मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में अधिकतम तापमान 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। गुजरात और महाराष्ट्र के तापमान में भी इजाफा देखने को मिलेगा। इस बीच मौसम विभाग ने आज, यानी 27 फरवरी को 6 राज्यों में बारिश और बर्फबारी का अलर्ट जारी किया है।

दिल्ली-एनसीआर का मौसम: अगर बात करें दिल्ली एनसीआर के मौसम की तो यहां तेज हवाओं के कारण लोगों को प्रदूषण से काफी हद तक राहत मिली है। दिन में धूप खिली रहेगी।

यहां 27 फरवरी को अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम 15 डिग्री तथा 28 फरवरी को अधिकतम 32 डिग्री और न्यूनतम 16 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, राजस्थान के कई शहरों में तापमान 30एष्ट के पार चला गया है। 26 फरवरी को राजस्थान कई इलाकों में दिन का अधिकतम तापमान 37एष्ट से ऊपर चला गया। बाड़मेर में सबसे ज्यादा तापमान 36.3एष्ट दर्ज किया गया। वहीं, जोधपुर, जैसलमेर और बीकानेर में भी सामान्य से अधिक गर्मी महसूस हुई। मध्य प्रदेश में तीखी धूप देखने को मिल रही है। यहां तापमान 27एष्ट से 32एष्ट के बीच दर्ज हो रहा है। कल भोपाल और इंदौर जैसे प्रमुख शहरों में तापमान 29 से 30 डिग्री के आसपास रहा, जबकि बुरहानपुर जैसे दक्षिणी क्षेत्रों में पारा 32 डिग्री तक पहुंच गया।

उत्तर प्रदेश का मौसम: अगर बात करें उत्तर प्रदेश के मौसम की तो फिलहाल यहां बारिश की कोई संभावना नहीं है। अधिकांश जिलों में धूप खिलेगी।

तापमान में बढ़ोत्तरी जारी रहेगी। यूपी के जिन जिलों में पारा बढ़ने वाला है, उनमें कानपुर,मेरठ, लखनऊ, आगरा, अलीगढ़,इटावा,मैनपुरी, मथुरा, अमेठी, आजमगढ़, अमरोहा,बागपत, बहराइच, बलिया, बलरामपुर शामिल हैं। कई जिलों में तापमान 30 डिग्री के पार पहुंच चुका है।

बिहार का मौसम: अगर बात करें बिहार के मौसम की तो यहां भी बारिश की कोई संभावना नहीं है।

यहां तापमान में वृद्धि के साथ गर्मी का असर देखने को मिल सकता है। राजधानी पटना में आज अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। 31.8 डिग्री सेल्सियस के साथ कैमूर में सर्वाधिक तापमान दर्ज किया गया।

हिमाचल प्रदेश का मौसम: अगर बात करें पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड के मौसम की तो यहां 27 और 28 फरवरी को बारिश और बर्फबारी की चेतावनी जारी की गई है। हिमाचल के जिन जिलों में बारिश की संभावना है उनमें बिलासपुर, शिमला, मंडी, सोलन और कांगड़ा जिले शामिल हैं। मनाली और आसपास के ऊंचाई वाले हिस्सों में बर्फबारी की संभावना है। जम्मू-कश्मीर में भी आज हल्की वर्षा या बर्फबारी हो सकती है।

सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री के अधिकारियों पर बरसे सीजेआई, बोले- अब नहीं चलेगी मनमानी

नई दिल्ली, एजेंसी। चीफ जस्टिस (सीजेआइ) सूर्यकांत ने सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री के कामकाज पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए इसकी कार्यप्रणाली की गहन जांच के आदेश देने की बात कही है। गुरुवार को एक सुनवाई के दौरान उन्होंने रजिस्ट्री के कुछ अधिकारियों की मनमानी पर क?ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि हाल ही में किए गए सुधारों के बावजूद, कुछ अधिकारी स्थापित नियमों के बजाय अपनी मर्जी से काम कर रहे हैं। सीजेआइ सूर्यकांत उस समय स्तब्ध रह गए जब उन्हें पता चला कि एक याचिका, जिसे तीन जजों की पीठ ने पहले ही खारिज कर दिया था, उसे दोबारा दूसरी पीठ के समक्ष सूचीबद्ध कर दिया गया। इस प्रशासनिक चूक पर उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया दी।

होली पर नोएडा के बाजारों में रौनक, युवाओं को भा रहीं गदर स्टाइल पिचकारी और कपल टी-शर्ट

नोएडा, एजेंसी। होली के रंगों में सरोबार होने के लिए शहर पूरी तरह तैयार हैं। बाजारों में गुलाल,पिचकारी और मिठाइयों की खरीदारी करने वालों की भारी भीड़ हैं। होली के त्योहार में महज पांच दिन ही शेष हैं। ऐसे में जिनकी शादी के बाद पहली होली है वह लोग कपल टी शर्ट और पिचकारी की खरीद रहे हैं। बाजार में होली की रौनक दिखने लगी है। रंग के इंफेक्शन से बचने के लिए लोग हर्बल रंगों की अधिक डिमांड कर रहे हैं। सबसे ज्यादा नारंगी, लाल,हरा,नीला,पीला रंग की मांग अधिक है। बाजार में बच्चों के लिए टैंक,हथौड़ा,कुल्हाड़ी के आकृतियों की पिचकारी अधिक मांग में हैं। दस से पांच सौ रुपए तक पिचकारियों की रेंज में बाजार में उपलब्ध है। इस बार बाजार में पारंपरिक पिचकारियों के साथ नए डिजाइन युवाओं को खासा लुभा रहे हैं। गदर फिल्म की तर्ज पर तैयार की गई हथौड़ा पिचकारी और कुल्हाड़ी पिचकारी विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। इनकी बनावट और आकार अलग होने के कारण बच्चे ही नहीं, युवा वर्ग भी इन्हें पसंद कर रहा है। दुकानदारों के अनुसार इनकी मांग अन्य पिचकारियों की तुलना में अधिक देखी जा रही है। बाजार में इस बार मैजिक गन, सायरन पिचकारी, मैजिक तलवार, शिवाजी का बिगुल, शिवजी का त्रिशूल, परशुराम का फरसा, विग, भूतों की माला और मैजिक ग्लास जैसे उत्पाद भी उपलब्ध हैं।

कौन है पाकिस्तानी नागरिक आसिफ मर्चेंट डोनाल्ड ट्रंप की हत्या का बना लिया था पूरा प्लान

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिका में एक पाकिस्तानी शख्स के खिलाफ मुकदमा चलाया गया है। उसपर ईरान के साथ मिलकर अमेरिका में राजनीतिक हत्याओं की साजिश रचने का आरोप है। उसकी टारगेट लिस्ट में डोनाल्ड ट्रंप का भी नाम शामिल था। ईरान के साथ मिलकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की साजिश रचने वाले पाकिस्तानी शख्स के खिलाफ मुकदमा शुरू हो गयाहै। आरोपीका नाम आसिफ मर्चेंट है। यह मुकतमा ब्रुकलिन की फेडरल कोर्ट में चलाया गया है। अगर दोष साबित होता है तो उसे उम्र कैद हो सकती है। दावा है कि मर्चेंट के संबंध ईरान की सरकार से थे औ 2024 में वह न्यूयॉर्क पहुंचकर ऐसे लोगों से मिला जिन्हें वह अमेरिका में हत्याएं करवाने के लिए भर्ती करना चाहता था। डोनाल्ड ट्रंप भी उसके टारगेट में थे। आसिफ मर्चेंट के बारे में कई जानकारियां अभी एफबीआई ने गुप्त रखी हैं। मर्चेंट ने हत्या की सुपारी लेने वाले समझकर दो लोगों को 5 हजार डॉलर एडवांस भी दिए थे। ये दोनों एफबीआई के अंडरकवर ऑफिसर थे। कोर्ट में वकीलों ने बताया कि मर्चेंट ने राजनेताओं की हत्या का प्लान तो बनाया था हालांकि वह इसे जमीन पर उतार नहीं पाया और इससे पहले ही पकडा गया।

अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि जो लोग उसके निशाने पर थे उनमें राष्ट्रपति ट्रंप भी शामिल थे। कोर्ट में बताया गया कि आसिफ मर्चेंट होटलों में बैठक करता था और लोगों को अपने टारगेट के बारे में समझाता था। कोर्ट में वीडियो के जरिए बताया गया कि वह किस तरह से खतरनाक प्लान तैयार कर रहा था। मर्चेंट चाहता था कि अमेरिका में चुनाव से पहले राजनीतिक हत्याएं करवाकर माहौल खराब कर दिया जाए।

नेपाल में उन्मूलन की घोषणा के 16 वर्षों के बाद फिर फैल रहा कुष्ठ रोग

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में कुष्ठ रोग के उन्मूलन की घोषणा के 16 वर्ष बाद देश के कई हिस्सों में फिर से कुष्ठ के रोगी पाए गए हैं। यह बात स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने वाली संस्था साशाख्वा हेल्थ फाउंडेशन के अध्ययन में सामने आई है। अध्ययन के मुताबिक देश के 16 जिलों में 2,409 लोग कुष्ठ संक्रमित पाए गए हैं, जिनमें 145 बच्चे भी हैं। नेपाल में वर्ष 2010 में कुष्ठ रोग उन्मूलन की घोषणा की गयी थी। उस समय प्रति 10 हजार जनसंख्या पर कम से कम एक संक्रमित मिलने के आधार पर सरकार ने उन्मूलन की घोषणा की थी।यह अध्ययन कपिलवस्तु, धनुषा, रौतहट, पश्चिम नवलपरासी, पर्सा, झापा, कैलाली, सिरहा, सुनसरी, सर्लाही, बारा, मोरंग, महोत्तरी, बांके, रुपन्देही और पर्वत जिलों को आधार बनाकर किया गया था।रिपोर्ट के अनुसार कपिलवस्तु में प्रति 10 हजार पर 2.4, धनुषा में 1.9, रौतहट में 1.8, पश्चिम नवलपरासी में 1.8, पर्सा में 1.7, झापा में 1.6, कैलाली में 1.6, में 1.3, रुपन्देही में 1.2 और पर्वत में 1.1 संक्रमण दर दर्ज की गई है।स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मंत्रालय के सचिव डॉ. विकास देवकोटा ने कुष्ठ रोग उन्मूलन के लिए मल्टी-सेक्टोरल अवधारणा की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि वर्ष 2010 में उन्मूलन की घोषणा होने के बावजूद वर्तमान में 16 जिलों में प्रति 10 हजार पर एक से अधिक मरीज मिलना चिंता का विषय है। अब ब्लैंकेट एप्रोच के बजाय इक्विटी एप्रोच अपनाकर जहां समस्या है, वहीं विशेष हस्तक्षेप करना होगा।डॉ. देवकोटा ने बताया कि बच्चों में संक्रमण दर अधिक होने का मुख्य कारण परिवार में रोग की देर से पहचान और उपचार है। सामाजिक भेदभाव और कलंक के कारण लोग अभी भी बीमारी छिपाते हैं, जिससे संक्रमण समुदाय में फैलता है। उन्होंने कहा, 'अब हमें अपनी सोच, व्यवहार और कार्यान्वयन में ब्लैंकेट एप्रोच की जगह इक्विटी एप्रोच अपनानी होगी। जहां-जहां समस्या है, वहां उसी अनुसार हस्तक्षेप करना होगा। समय पर उपचार न होने या देरी होने से बच्चों में यह संक्रमण फैलता है। विकलांगता या अंग-भंग की स्थिति में देर से आने के मामले भी हैं, जिससे उपचार देर से शुरू होता है।

पुस्तक विवाद : सुप्रीम कोर्ट के कड़े रुख से शिक्षा मंत्रालय में हड़कंप, कार्रवाई की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की आठवीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की नई पाठ्यपुस्तक में न्यायपालिका से जुड़ी विवादास्पद विषयवस्तु को शामिल किए जाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट के कड़े रुख को देखते हुए शिक्षा मंत्रालय में गुरुवार को भी हड़कंप देखने को मिली। हर कोई माफी मांगने के लिए तैयार दिखा लेकिन स्थिति अब यह है कि माफी से काम नहीं चलेगा। लिहाजा सुप्रीम कोर्ट को मिनट्स देने से पहले खुद ही जिम्मेदार व्यक्ति की पहचान कर कार्रवाई की तैयारी है। गुरुवार को दिन भर शिक्षा मंत्रालय से लेकर एनसीईआरटी के भीतर बैठकों को दौर चलता रहा। गौरलतब है कि सुप्रीम कोर्ट पाठ्यपुस्तक तैयार करने से जुड़ी बैठकों के सारे मिनिट्स मांगे है। मिनिट्स आने के बाद यह साफ हो जाएगा कि यदि विषयवस्तु को कमेटी की बगैर मंजूरी के शामिल किया तो वह भी साफ हो जाएगा। सुप्रीम कोर्ट की ओर से गुरुवार को दिए गए निर्देश के बाद शिक्षा मंत्रालय ने तुरंत ही एनसीईआरटी निदेशक को पूरे मामले की जांच कराने के आदेश दिए है। साथ ही यह बताने कहा है कि न्यायपालिका से जुड़ी विवादित विषय वस्तु को किसके कहने से और कैसे शामिल की गई। माना जा रहा है कि जांच रिपोर्ट मिलने के बाद मंत्रालय इस मामले पर संबंधित लोगों पर कार्रवाई भी करेगा। यूं तो एनसीइआरटी स्वायत्त है लेकिन इस संभावना से गुरेज नहीं किया जा रहा है कि मंत्रालय के बड़े अधिकारी भी दायरे में आ सकते हैं।

420 ड्रोन और 39 मिसाइल,रातभर बरसी तबाही, रूस की बौछार से फिर दहला यूक्रेन

कीव, एजेंसी। जिनेवा में अमेरिका और यूक्रेन के बीच चल रही वार्ता के बीच रूस ने कीव पर भयंकर हवाई हमला किया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने गुरुवार को कहा कि रूस ने रात भर में यूक्रेन पर 420 ड्रोन और 39 मिसाइलों से हमला किया। जिनेवा में अमेरिका और यूक्रेन के बीच चल रही वार्ता के बीच रूस ने कीव पर भयंकर हवाई हमला किया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने गुरुवार को कहा कि रूस ने रात भर में यूक्रेन पर 420 ड्रोन और 39 मिसाइलों से हमला किया। यह हमला अमेरिकी और यूक्रेनी दूतों द्वारा जिनेवा में युद्ध समाप्त करने के लिए और अधिक बातचीत करने से कुछ घंटे पहले हुआ, जो अब अपने पांचवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। जेलेंस्की ने बताया कि इस हमले में 11 बैलिस्टिक मिसाइलें दागी गईं और यूक्रेन के आठ क्षेत्रों में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे तथा आवासीय इलाकों को निशाना बनाया गया। अधिकारियों के अनुसार, बच्चों सहित दर्जनों लोग घायल हुए हैं, हालांकि मृतकों की सटीक संख्या की तुरंत पुष्टि नहीं की गई। जेलेंस्की ने बुधवार देर रात कहा कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बात की और शांति वार्ता को आगे बढ़ाने में उनके प्रयासों तथा भागीदारी के लिए आभार व्यक्त किया। अमेरिका की मध्यस्थता में मॉस्को और कीव के बीच वार्ता जारी है, लेकिन रूस द्वारा दावा किए गए यूक्रेनी क्षेत्र के मुद्दे पर गतिरोध बना हुआ है। जेलेंस्की ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ शिखर सम्मेलन की मांग की है और कहा है कि आमने-सामने की बैठक किसी समझौते तक पहुंचने में निर्णायक साबित हो सकती है। हालांकि, क्रेमलिन ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया है, सिवाय यूक्रेनी राष्ट्रपति को मॉस्को आमंत्रित करने के, जिसे जेलेंस्की ने ठुकरा दिया। ट्रंप के प्रतिनिधि स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर ने वार्ता में हिस्सा लिया। ये दोनों जिनेवा में ईरान के साथ परमाणु वार्ता पर विचार करने के बाद यूक्रेन युद्ध पर चर्चा के लिए पहुंचे थे। उन्होंने यूक्रेन की राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा परिषद के प्रमुख रुस्तम उमेरोव से मुलाकात की। वे जेलेंस्की के साथ ट्रंप की बातचीत में भी शामिल हुए। उमेरोव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि दूतों के साथ यूक्रेन को आर्थिक सहायता, पुनर्निर्माण, निवेश आकर्षित करने के तरीकों और दीर्घकालिक सहयोग के ढांचे पर चर्चा हुई। उनके अनुसार, बैठक में रूस को शामिल करके त्रिपक्षीय वार्ता के अगले दौर की तैयारियों पर भी विचार किया गया, साथ ही कैदियों के संभावित आदान-प्रदान पर भी बात हुई। जेलेंस्की ने बताया कि रूस ने पोल्टावा क्षेत्र में गैस बुनियादी ढांचे तथा कीव और ड्नीप्रो क्षेत्रों में बिजली सबस्टेशनों पर हमला किया। राजधानी कीव सहित पांच अन्य क्षेत्रों में आपातकालीन दल मौके पर पहुंचे। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली ने रूस की अधिकांश मिसाइलों को मार गिराया और पश्चिमी सहयोगियों को समय पर अतिरिक्त वायु रक्षा हथियारों की आपूर्ति के लिए धन्यवाद दिया। रूस की बड़ी सेना के खिलाफ लड़ाई जारी रखने के लिए यूक्रेन को विदेशी मदद की सख्त जरूरत है। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने सहयोगी देशों से अधिक सैन्य सहायता देने की अपील की। उन्होंने विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर पोस्ट में कहा कि जब पूरी दुनिया मॉस्को से इस व्यर्थ युद्ध को रोकने की मांग कर रही है, तो पुतिन और अधिक आतंक, हमलों और आक्रामकता पर उतारू हैं। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी वायु रक्षा ने रात भर में कई रूसी क्षेत्रों के साथ-साथ काला सागर और आज़ोव सागर के ऊपर 17 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए। यूक्रेन के स्वदेशी लंबी दूरी के ड्रोन ने रूस के अंदरूनी इलाकों में तेल रिफाइनरियों, ईंधन डिपो और सैन्य रसद केंद्रों पर हमले किए हैं।

रूस और यूक्रेन ने सैनिकों के शवों का किया आदान-प्रदान : गौरतलब है कि पिछली वार्ताओं में रूसी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख व्लादिमीर मेदिंस्की ने गुरुवार को बताया कि रूस ने 1000 शहीद यूक्रेनी सैनिकों के शव यूक्रेन को सौंपे और बदले में अपने 35 शहीद सैनिकों के शव वापस लिए।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस 'विकसित भारत युवा संसद 2026' का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में माय भारत पोर्टल के माध्यम से 26 फरवरी 2026 को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 'विकसित भारत युवा संसद 2026' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जिले के युवाओं में नेतृत्व क्षमता का विकास करना तथा उन्हें लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक बनाना था समापन सत्र के मुख्य अतिथि लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि विकसित भारत का संकल्प केवल सरकार की योजना नहीं बल्कि युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ही साकार हो सकता है उन्होंने कहा कि आज का युवा जागरूक, ऊर्जावान और तकनीकी रूप से सक्षम है इसलिए राष्ट्र निर्माण में उसकी भूमिका निर्णायक है। केंद्र सरकार शिक्षा, कौशल विकास, डिजिटल सशक्तिकरण, स्टार्टअप प्रोत्साहन, बुनियादी ढांचे के विकास और आत्मनिर्भर भारत जैसे विभिन्न आयामों पर कार्य कर रही है जिससे युवाओं को आगे बढ़ने के व्यापक अवसर मिल रहे हैं सांसद ने 'आपातकाल के 50 वर्ष: भारतीय लोकतंत्र के लिए सबक' विषय पर चर्चा करते हुए कहा कि भारत का लोकतंत्र अनेक चुनौतियों से गुजरकर और अधिक सशक्त हुआ है संविधान, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और जनभागीदारी की रक्षा करना युवाओं की जिम्मेदारी है उन्होंने प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए प्रमाण पत्र वितरित किए कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पूजा-अर्चना के साथ हुआ उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि देव कुमार सिंह ने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को समझने और अपनी अभिव्यक्ति को सशक्त मंच प्रदान करते है।

खुले में मांस बिक्री पर विरोध सीएमओ ने एक हफ्ते में कार्रवाई का आश्वासन दिया

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। रामपुर नैकिन नगर परिषद क्षेत्र में खुले में मांस बिक्री के विरोध में शुक्रवार को नागरिकों ने प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग नगर परिषद कार्यालय पहुंचे और मुख्य नगर पालिका अधिकारी भैयालाल साकेत को आवेदन सौंपा। नागरिकों ने बताया कि नगर के विभिन्न वार्डों और मुख्य बाजार क्षेत्रों में मांस बिना ढंके बेचा जा रहा है स्वच्छता के मानकों का पालन नहीं किया जा रहा जिससे आसपास दुर्गंध फैल रही है और संक्रमण व बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है आवेदनकर्ताओं का कहना है कि खुले में मांस काटना और बेचना नगर परिषद के नियमों का सीधा उल्लंघन है। इसका असर आसपास के रहवासियों, दुकानदारों, राहगीरों और खासकर बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है स्थानीय नागरिकों ने संबंधित मांस विक्रेताओं के लाइसेंस और स्वच्छता व्यवस्थाओं की सघन जांच की मांग की है साथ ही भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न बने, इसके लिए नियमित निरीक्षण और सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने की अपील की है यह आवेदन 27 फरवरी 2026 को दिया गया जिस पर गौरव सिंह बघेल, शिखर द्विवेदी, इशांत पाण्डेय, रवि मिश्रा, मनोज द्विवेदी और सौरभ विश्वकर्मा सहित अन्य नागरिकों के हस्ताक्षर हैं सीएमओ भैयालाल साकेत ने बताया कि आवेदन प्राप्त हो गया है और मामले की जांच कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि जांच के बाद नियमों के अनुसार उचित कार्रवाई की जाएगी।

उज्ज्वला योजना में पात्र हितग्राहियों से 1-1 हजार रुपए मांगे महिलाओं ने की शिकायत

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सरई तहसील के ग्राम पंचायत निगरी में इंडेन गैस एजेंसी पर उज्ज्वला योजना के नाम पर अवैध वसूली के आरोप लगे हैं ग्रामीणों का कहना है कि केंद्र सरकार की इस मुफ्त योजना का लाभ देने के बदले उनसे एक हजार रुपए तक की मांग की जा रही है निगरी की रहने वाली सावित्री साकेत ने बताया कि उन्होंने दिसंबर में गैस कनेक्शन के लिए आवेदन किया था। आरोप है कि केवाईसी के नाम पर उनसे पहले ही 500 रुपये ले लिए गए और अब कनेक्शन देने के बदले फिर से 500 रुपये मांगे जा रहे हैं सावित्री का दावा है कि उन्हें साफ कह दिया गया है कि बिना पैसे दिए गैस कनेक्शन नहीं मिलेगा हितग्राही सावित्री साकेत ने गैस एजेंसी पर 500 रुपए लेने का आरोप लगाया है हितग्राही सावित्री साकेत ने गैस एजेंसी पर 500 रुपए लेने का आरोप लगाया है ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि पात्र महिलाएं पिछले दो सालों से एजेंसी के चक्कर काट रही हैं लेकिन उन्हें कनेक्शन नहीं दिया जा रहा। साथ ही अब दिए जा रहे चूल्हों की गुणवत्ता पर भी सवाल उठ रहे हैं लोगों का कहना है कि पहले अच्छे चूल्हे मिलते थे लेकिन अब बेहद घटिया क्वालिटी के चूल्हे बांटे जा रहे हैं इधर, खाद्य अधिकारी पीसी चंद्रवंशी का बयान सामने आया है।

जिलास्तरीय शांति समिति ने सुरक्षित होलिका दहन व रसायनमुक्त रंगों के उपयोग का किया आग्रह

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रंगों के पर्व 'होली' को आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाने की अपील करते हुए जिलास्तरीय शांति समिति के सदस्य सुरेश विश्नोई, सुरेश राय एवं प्रमोद गुप्ता ने समस्त जिलावासियों को शुभकामनाएं दी हैं जारी विज्ञप्ति में उन्होंने कहा कि होली सामाजिक समरसता और सद्भाव का प्रतीक है, अतः सभी नागरिक इसे शांति एवं अनुशासन के साथ मनाएं समिति ने होलिका दहन कार्यक्रम आयोजित करने वाली समितियों से विशेष सावधानी बरतने का अनुरोध किया है। खुले एवं सुरक्षित स्थानों पर, बिजली लाइनों और केबल तारों से दूर होलिका दहन किया जाए होलिका दहन में सूखी लकड़ी, गोबर के उपले (कंडे) अथवा गौकाष्ट का उपयोग करने की सलाह दी गई है तथा हरे-भरे वृक्षों की कटाई न करने की अपील की गई है पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए प्राकृतिक और उपलब्ध संसाधनों का ही उपयोग करने पर जोर दिया गया है इसी प्रकार होली खेलने के दौरान केवल पारंपरिक रंग, अबीर और गुलाल का प्रयोग करने का आग्रह किया गया है केमिकलयुक्त रंग, वार्निश, सफेदा और पेंट जैसे हानिकारक पदार्थों का उपयोग न करने की चेतावनी दी गई है क्योंकि इससे त्वचा, आंखों और स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। समिति ने युवाओं से विशेष रूप से अपील की है कि नशे की स्थिति में वाहन न चलाएं तथा तेज गति से ड्राइविंग से बचें। 'आपका जीवन अमूल्य है किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचने का प्रयास करें विज्ञप्ति में कहा गया है शांति समिति के सदस्यों ने जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन से भी सहयोगात्मक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है होलिका दहन के लिए निर्धारित स्थलों पर न्यूनतम दर पर गौकाष्ट उपलब्ध कराने, 3 मार्च (रंगोत्सव) के दिन तीन समय नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा नदी-तालाबों के किनारे समुचित सुरक्षा एवं निगरानी व्यवस्था बनाए रखने की मांग की गई है।

मुआवजे के लिए भटक रही विस्थापित महिला, सुनवाई के बजाय सिक्योरिटी ने बाहर निकाला

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। मोरवा क्षेत्र की एक विस्थापित महिला गुड़िया सोनी को भूमि अधिग्रहण का मुआवजा पाने के लिए पिछले दो महीनों से दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं महिला का आरोप है कि उचित सुनवाई करने के बजाय एनसीएल मुख्यालय के सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें धक्के देकर बाहर निकाल दिया पीड़ित गुड़िया सोनी के अनुसार वह पिछले दो माह से नियमित रूप से एनसीएल कार्यालय जा रही हैं हर बार उन्हें फाइल अधूरी होने या संबंधित अधिकारी के मौजूद न होने का बहाना बनाकर टाल दिया जाता है अपनी ही जमीन का हक मांगने के लिए उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान होना पड़ रहा है हाल ही में जब वह अपने परिजनों के साथ मुख्यालय पहुंचीं और भुगतान की गुहार लगाई तो वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। गुड़िया सोनी ने बताया 'दो महीने से चक्कर काट रहे हैं लेकिन कोई सुनने को तैयार नहीं है जब हमने अपना हक मांगा तो उल्टा सिक्योरिटी बुलाकर हमें परिसर से बाहर कर दिया गया इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी है विस्थापित परिवारों का आरोप है कि मुआवजा प्रक्रिया में जानबूझकर देरी की जा रही है।

दुर्घटना पीड़ितों के हित में 'पीएम राहत' योजना गोल्डन ऑवर में मिलेगा 1.50 लाख रुपये का कैशलेस उपचार

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा संचालित 'पीएम राहत' योजना एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में लागू की गई है मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बबिता खरे ने जानकारी देते हुए बताया कि योजना का उद्देश्य 'गोल्डन ऑवर' के भीतर त्वरित एवं नि:शुल्क उपचार सुनिश्चित करना है, ताकि अधिकतम जीवन बचाए जा सकें डॉ. खरे ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य मार्ग अथवा शहरी सड़कों पर दुर्घटना की स्थिति में घायल व्यक्ति को पहले सात दिनों तक प्रति व्यक्ति अधिकतम 1.50 लाख रुपये तक का नि:शुल्क उपचार प्रदान किया जाएगा गैर-जीवन-घातक मामलों में 24 घंटे तथा जीवन-घातक मामलों में 48 घंटे तक स्थिरीकरण (स्टेबिलाइजेशन) उपचार की गारंटी दी गई है। यह सुविधा पुलिस प्रमाणीकरण के आधार पर लागू होगी उन्होंने बताया कि ई-डीएआर प्लेटफॉर्म को राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के टीएमएस 2.0 सिस्टम से जोड़ा गया है। इससे दुर्घटना की सूचना अस्पताल में भर्ती, उपचार और क्लेम निपटान तक की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन संचालित होती है भुगतान मोटर वाहन दुर्घटना कोष से किया जाता है बीमित वाहनों के मामलों में उपचार व्यय संबंधित बीमा कंपनियों द्वारा वहन किया जाएगा, जबकि बिना बीमा या हिट-एंड-रन मामलों में केंद्र सरकार के बजट से राशि उपलब्ध कराई जाएगी आपात स्थिति में डायल 112 पर संपर्क कर एंबुलेंस सेवा प्राप्त की जा सकती है। साथ ही, निकटतम नामित अस्पताल की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाती है जिले में शिकायतों के निवारण के लिए जिला सड़क सुरक्षा समिति, जिसके अध्यक्ष कलेक्टर होते हैं को शिकायत निवारण अधिकारी नामित किया गया है डॉ. खरे ने कहा कि समय पर चिकित्सकीय सहायता मिलने से लगभग 50 प्रतिशत सड़क दुर्घटना मृत्यु को रोका जा सकता है 'पीएम राहत' योजना इसी दिशा में एक व्यावहारिक और प्रभावी कदम है जो दुर्घटना पीड़ितों को तत्काल, पारदर्शी और कैशलेस उपचार उपलब्ध कराने की सुदृढ़ व्यवस्था सुनिश्चित करती है।

वाहन की टक्कर से युवक की मौत,सुबह सड़क किनारे मिला शव

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय राजमार्ग-39 पर सर्रा के पास गुरुवार को सड़क हादसे में युवक (41) की मौत हो गई हादसा देर रात करीब 1 बजे हुआ एक अज्ञात वाहन ने पैदल जा रहे व्यक्ति को टक्कर मार दी टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक के सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई वाहन चालक घटना के बाद मौके से फरार हो गया मृतक की पहचान दिनेश केवट (41), निवासी कोलदाहा के रूप में की गई है हादसे की जानकारी शुक्रवार सुबह लगभग 5 बजे मिली जब स्थानीय लोगों ने सड़क किनारे युवक को पड़ा देखा पास जाकर देखने पर उसकी मौत की पुष्टि हुई इसके बाद तुरंत डायल 112 और परिजनों को सूचना दी गई सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चुरहट भेज दिया गया मामले को लेकर चुरहट थाना प्रभारी दीपक सिंह बघेला ने बताया कि एक व्यक्ति की सड़क दुर्घटना में मौत होने की सूचना मिली थी।

सर्वाइकल कैंसर रोकथाम के लिए 90-दिवसीय नि:शुल्क एचपीवी टीकाकरण अभियान प्रारंभ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के उद्देश्य से 28 फरवरी से 14 वर्ष की बालिकाओं के लिए देशव्यापी एकल-खुराक एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान प्रारंभ किया जा रहा है मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बबिता खरे ने जानकारी देते हुए बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन की सिफारिश के अनुरूप संचालित यह 90-दिवसीय विशेष अभियान पहले चरण में लगभग 1.15 करोड़ पात्र बालिकाओं को नि:शुल्क टीकाकरण प्रदान करेगा जिले में 6 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों तथा जिला अस्पताल के एमसीएच केंद्र में यह टीकाकरण नि:शुल्क उपलब्ध रहेगा शासन द्वारा संचालित इस अभियान के तहत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों में निर्धारित आयु वर्ग की बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण में टीका लगाया जाएगा डॉ. खरे ने बताया कि भारत में सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में दूसरा सबसे सामान्य कैंसर है देश में प्रतिवर्ष लगभग 1.25 लाख नए मामले सामने आते हैं और लगभग 75 हजार महिलाओं की मृत्यु इस बीमारी से होती है विशेषज्ञों के अनुसार किशोरावस्था में एचपीवी टीकाकरण कराने से 30 वर्ष की आयु तक सर्वाइकल कैंसर के जोखिम में लगभग 85 प्रतिशत तक कमी लाई जा सकती है टीकाकरण हेतु स्लॉट यू-विन पोर्टल के माध्यम से बुक किए जा सकते हैं बाज़ार में एक डोज की कीमत लगभग 3,927 रुपये है, जबकि शासन को गैवी वैक्सीन अलायंस के सहयोग से 2.6 करोड़ डोज उपलब्ध कराई जाएंगी प्रारंभिक दो वर्षों में एमएसडी की 'गार्डासिल' वैक्सीन का उपयोग किया जाएगा, वहीं स्वदेशी 'सर्वावाक' वैक्सीन को विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्वीकृति प्राप्त होने की प्रक्रिया जारी है यह वैक्सीन एचपीवी टाइप 16 एवं 18 जो कैंसर के प्रमुख कारण हैं तथा टाइप 6 एवं 11, जो जननांग मस्सों का कारण बनते हैं से सुरक्षा प्रदान करती है। अभियान का मुख्य उद्देश्य 14 वर्षीय बालिकाओं को कवर कर भविष्य में सर्वाइकल कैंसर के बोझ को कम करना है सीएमएचओ ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपनी बालिकाओं का समय पर टीकाकरण कराकर उन्हें गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने में सहयोग करें।

अवैध रेत उत्खनन करते एक हाईवा जब्त, दस्तावेजों की कमी पर टीम ने की कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के लंघाडोल थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है शुक्रवार को पुलिस ने एक हाईवा वाहन जब्त किया, जो रेत से भरा हुआ था आरोपी चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और खान-खनिज अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है थाना प्रभारी पुष्पेंद्र धुर्वे के निर्देश पर अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है इसी अभियान के तहत पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम झलरी स्थित हुरदुल नदी से एक हाईवा अवैध रूप से रेत का परिवहन कर रहा है सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर दबिश दी और हाईवा क्रमांक यूपी 70 एटी 4455 को रेत से भरा हुआ पाया चालक सूरज कुमार प्रजापति (21), निवासी झलरी से रेत उत्खनन और परिवहन के वैध दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वह कोई भी वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने सूरज कुमार के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2), 317(5) और खान-खनिज अधिनियम की धारा 4/21 के तहत मामला दर्ज किया जब्त किए गए हाईवा और रेत की अनुमानित कीमत लगभग 30 लाख 25 हजार 500 रुपए आंकी गई है इसे थाना परिसर में सुरक्षित खड़ा कराया गया है थाना प्रभारी पुष्पेंद्र धुर्वे ने कहा कि अवैध रेत उत्खनन और परिवहन को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा उन्होंने यह भी बताया कि क्षेत्र में लगातार निगरानी की जा रही है।

महिला कांग्रेस का उग्र प्रदर्शन केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी का पुतला दहन, इस्तीफे की मांग

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। महिला कांग्रेस रीवा ग्रामीण एवं शहर इकाई के संयुक्त नेतृत्व में आज केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा नेता हरदीप सिंह पुरी का पुतला दहन कर उनके तत्काल इस्तीफे की मांग की गई यह प्रदर्शन कथित 'एपस्टीन फाइल्स' प्रकरण को लेकर देशभर में चल रही राजनीतिक हलचल के बीच आयोजित किया गया कार्यक्रम भारतीय राष्ट्रीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा के निर्देशन, मध्यप्रदेश महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रीना बौरासी सेतिया के मार्गदर्शन तथा प्रदेश महासचिव कविता पांडे की उपस्थिति में संपन्न हुआ। महिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष तारा त्रिपाठी एवं जिला अध्यक्ष सीमा सिंह जरहा के संयुक्त नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं ने भाग लिया प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने नारेबाजी करते हुए मंत्री हरदीप सिंह पुरी से तत्काल इस्तीफा लेने की मांग की। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में विवादित व्यक्तियों को मंत्री पद पर बनाए रखा जा रहा है उन्होंने कहा कि एपस्टीन फाइल्स प्रकरण देशभर में चर्चा का विषय बना हुआ है और इससे भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि प्रभावित हुई है प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि विदेश दौरों के दौरान की गई कथित गतिविधियों के बावजूद संबंधित मंत्री के विरुद्ध कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई प्रदेश महासचिव कविता पांडे ने भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि गंभीर आरोपों के बावजूद मंत्री को पद पर बनाए रखना सरकार की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है जिला अध्यक्ष सीमा सिंह जरहा ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही इस्तीफा नहीं लिया गया तो महिला कांग्रेस सड़क से लेकर सदन तक व्यापक आंदोलन करेगी वहीं शहर अध्यक्ष तारा त्रिपाठी ने कहा कि सरकार महिला सम्मान और नैतिकता की बात करती है लेकिन अपने मंत्रियों के मामलों में मौन रहती है पुतला दहन कार्यक्रम में पूर्व विधायिका विद्यावती पटेल, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष बबीता साकेत सहित अनेक पदाधिकारी एवं सैकड़ों महिला कार्यकर्ता उपस्थित रहीं महिला कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कठोर कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और अधिक व्यापक रूप दिया जाएगा।

सुप्रीम संवेदनशीलता: न्यायिक तंत्र में संवेदना-करुणा को तरजीह

संपादकीय

भारतीय समाज में किसी भी तरह की हिंसा से पीड़ित महिलाओं के लिये न्याय पाने की प्रक्रिया में न्यायिक तंत्र की विसंगतियों से जूझना कष्टप्रद रहा है। समाज में सोच रही है कि पहले ही हिंसा का शिकार हुई स्त्री द्वारा अपनी आपबीती को बार-बार दोहराना पुनः उसी यंत्रणा से गुजरना जैसा होता है। उसकी अभिव्यक्ति की गोपनीयता व पहचान सुरक्षित रखने की भी जरूरत महसूस की जाती रही है। विडंबना यह भी रही है कि अक्सर स्त्री के खिलाफ हुई हिंसा से जुड़े मामले में सामाजिक धारणाओं पर पितृसत्तात्मक सोच वाली मानसिकता का वर्चस्व रहता है। निर्विवाद रूप से हर तरफ से हारा-हताश व्यक्ति न्याय की चौखट पर अंतिम सहारे के रूप में जाता है। लेकिन कई बार देखने में आया है कि स्त्री के विरुद्ध हुए अपराध के मुकदमे के दौरान टिप्पणियों व फैसले पर पूर्वाग्रहों का असर नजर आता है, जिसे पहले से पीड़ित स्त्री के कष्ट में इजाफा ही होता है। कहा जाता है कि इस प्रक्रिया में यदा-कदा संवेदनशीलता व करुणा का भाव नदारद पाया गया। यही वजह है कि समय-समय पर शीर्ष अदालत ने न्यायाधीशों के निर्णयों को रूढ़िवादिता के प्रभाव से मुक्त करने के लिये प्रयास किए हैं। इसी आलोक में पिछले दिनों देश की शीर्ष अदालत ने राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी को यौन हिंसा व स्त्री से जुड़े अन्य अपराधों के परिप्रेक्ष्य में जजों तथा न्यायिक प्रक्रिया से जुड़े लोगों के लिए संवेदनशीलता तथा करुणा विकसित करने की पहल की है। दिशा-निर्देश तैयार करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित करने के निर्देश दिए हैं। निस्संदेह, इस संवेदनशील पहल का स्वागत किया जाना चाहिए। स्पष्ट है कि सुप्रीम कोर्ट का यह प्रयास भविष्य में नई लीक बनाएगा, जिसमें न्यायाधीश स्त्री के विरुद्ध यौन हिंसा व अन्य अपराधों के मामलों में संवेदनशीलता के साथ सुनवाई कर सकेंगे। इसके साथ ही संभव हो सकेगा कि उनके फैसलों पर किसी सामाजिक भेदभाव की धारणा व पूर्वाग्रह का असर नजर न आए। निस्संदेह, इस प्रयास से न्याय को अधिक मानवीय व संवेदनशील बनाने में मदद मिल सकेगी। विगत में भी इस दृष्टिकोण की कमी न्यायिक प्रक्रिया में महसूस की जाती रही है। कई तरह की विसंगतियों को कई फैसलों में महसूस किया जाता रहा है। यही वजह है कि शीर्ष अदालत को न्यायिक प्रक्रिया में संवेदनशीलता विकसित करने की जरूरत पर बल दिया गया। हमारे समाज में न्यायाधीशों को पंच-परमेश्वर की संज्ञा दी गई है और उनसे नीर-क्षीर विवेक के साथ संवेदनशील व्यवहार की उम्मीद की जाती रही है। निश्चित रूप से शीर्ष अदालत के हस्तक्षेप के बाद न्यायपालिका के नजरिये में बदलाव के साथ न्यायिक प्रक्रिया में निहित संवेदनशीलता का समावेश हो सकेगा।

नवाचार की शक्ति: रमन के सवाल से विज्ञान के संकल्प तक

दिलीप कुमार पाठक

आज 28 फरवरी का दिन पूरे भारत के लिए गौरव और आत्मसम्मान का प्रतीक है, क्योंकि आज हम राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मना रहे हैं। यह दिन महान भारतीय भौतिक विज्ञानी सर सी.वी. रमन की उस अद्भुत खोज रमन प्रभाव को समर्पित है, जिसने पूरी दुनिया की वैज्ञानिक समझ को एक नई दिशा दी और भारत को भौतिकी के क्षेत्र में पहला नोबेल पुरस्कार दिलाया। अक्सर हम विज्ञान को केवल बंद कमरों की प्रयोगशालाओं और जटिल सूत्रों का समूह मान लेते हैं, लेकिन वास्तव में विज्ञान हमारी जिज्ञासा और सत्य की खोज का दूसरा नाम है। सर रमन का सफर हमें सिखाता है कि बड़े आविष्कारों के लिए केवल महंगे उपकरणों की नहीं, बल्कि एक पैनी नजर और कुछ नया सोचने के जुनून की जरूरत होती है। समुद्र के पानी का रंग नीला क्यों होता है, इस एक साधारण से सवाल ने उन्हें दुनिया की सबसे बड़ी खोजों में से एक तक पहुँचा दिया। यह जानना दिलचस्प है कि जिस उपकरण से उन्होंने इतनी बड़ी खोज की, उसकी कुल लागत उस समय मात्र 200 रुपये के आसपास थी, जो आज के युग के लिए एक बड़ी प्रेरणा है कि आविष्कार बजट से नहीं बल्कि बुद्धि से होते हैं। अक्सर लोग समझते हैं कि आज सर रमन का जन्मदिन है, लेकिन असल में 28 फरवरी वह तारीख है जिस दिन उन्होंने अपनी खोज की घोषणा की थी, इसीलिए भारत सरकार ने 1986 में इस दिन को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मान्यता दी।

आज जब हम 21वीं सदी के भारत की बात करते हैं, तो विज्ञान और तकनीक इसके सबसे मजबूत स्तंभ बनकर उभरे हैं। अंतरिक्ष की गहराइयों को नापने वाले हमारे चंद्रयान और मंगलयान मिशन से लेकर वैश्विक महामारी के दौरान रिकॉर्ड समय में तैयार की गई स्वदेशी वैक्सीन तक, भारतीय वैज्ञानिकों ने बार-बार यह साबित किया है कि नवाचार ही आत्मनिर्भरता का असली रास्ता है। विज्ञान का असली उत्सव तब सफल होता है जब इसकी पहुँच खेतों में काम करने वाले किसान से लेकर स्कूल में पढ़ने वाले एक साधारण विद्यार्थी तक हो। हमें यह समझना होगा कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अर्थ केवल डिग्री हासिल करना नहीं, बल्कि समाज में व्याप्त अंधविश्वासों को तर्क की कसौटी पर परखना और समस्याओं के रचनात्मक समाधान खोजना है। आज भारत जिस तरह से स्टार्टअप्स और डिजिटल क्रांति के दौर से गुजर रहा है, उसमें युवाओं की भूमिका सबसे अहम है। नवाचार केवल नई मशीनों को बनाना नहीं है, बल्कि कम संसाधनों में बेहतर जीवन जीने के तरीके खोजना भी है। आज हमारे सामने ग्लोबल वार्मिंग, प्रदूषण और जल संकट जैसी बड़ी चुनौतियां खड़ी हैं, जिनका सामना हम पुरानी सोच से नहीं बल्कि वैज्ञानिक चेतना से ही कर सकते हैं। सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और कचरा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में हो रहे नए प्रयोग इस बात का प्रमाण हैं कि विज्ञान ही भविष्य की सुरक्षा की गारंटी है।

विज्ञान की सार्थकता तभी है जब वह समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स के इस दौर में हमें मानवीय संवेदनाओं और वैज्ञानिक प्रगति के बीच एक संतुलन बनाना होगा। हमें अपने ग्रामीण क्षेत्रों में विज्ञान मेलों और प्रयोगशालाओं का जाल बिछाना होगा ताकि गाँवों की प्रतिभा को भी पंख मिल सकें। स्थानीय स्तर पर होने वाले छोटे-छोटे नवाचार ही भविष्य में बड़े वैश्विक बदलावों की नींव रखते हैं। विज्ञान हमें धैर्य और निरंतर प्रयास की शक्ति सिखाता है, जहाँ हर असफलता अनुसंधान का एक नया रास्ता खोलती है। सर रमन के व्यक्तित्व का एक और पहलू उनका संगीत के प्रति प्रेम था; उन्होंने तबला और मृदंगम जैसे वाद्य यंत्रों की ध्वनि पर भी शोध किया था, जो दर्शाता है कि विज्ञान और कला साथ-साथ चलते हैं। विद्यार्थियों के लिए विज्ञान केवल परीक्षा पास करने का जरिया नहीं होना चाहिए, बल्कि यह एक ऐसी खिड़की होनी चाहिए जिससे वे पूरी दुनिया को नए नजरिए से देख सकें। स्कूलों में जब तक रटने की जगह सवाल पूछने की संस्कृति विकसित नहीं होगी, तब तक हम नए रमन पैदा नहीं कर पाएंगे। सरकार के मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों की सफलता भी इसी बात पर निर्भर है कि हम तकनीक के मामले में दुनिया के पीछे चलने के बजाय दुनिया को रास्ता दिखाएं।

युवाओं में बढ़ते फास्ट फूड के प्रचलन से उत्पन्न स्वास्थ्य ख़तरों को रेखांकित करना समय की मांग

किशन सनमुखदास भावनानीं

साथियों बात अगर हम वर्तमान जीवन शैली की करें तो इसके लिए उपरोक्त पुरानी टिकाऊ जीवन शैली की चर्चा करना बेहद ज़रूरी था जिसकी प्रित्यक्ष रिपोर्टिंग मैंने बुजुर्गों से की इसी जीवन शैली का नतीज़ा हमारे सामने माननीय पीएम द्वारा उल्लेखित 126 वर्षीय पदम पुरस्कार से सम्मानित बाबा शिवानंद का है जो पूरे विश्व के सामने एक मिसाल कायम है। साथियों बात अगर हम वर्तमान निष्क्रिय जीवन शैली और अस्वास्थकर आहार की करें तो वर्तमान में हम देख रहे हैं कि अनेक चाइनीस फूड, पिज़्ज़ा जैसे सैकड़ों ऐसे फास्ट फूड हैं जिसपर आहार के रूप में हमारी निर्भरता बढ़ गई है हमनें हर दिन या हर दूसरे तीसरे दिन इनको ग्रहण करने के का प्रचलन कायम कर दिए हैं।हालांकि यह फास्ट फूड ग्रहण करने का हमारा विरोध या टीकाटिप्पणी नहीं है परंतु हमारा उद्देश्य अस्वास्थ्यकर आहरों की आदत से उत्पन्न खतरों के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना है क्योंकि अगर हम दशकों पुराने ज़माने और आज के जमाने की निरंतर बढ़ती खाई, अस्वास्थ्यता, बीमारियों का प्रकोप, स्वास्थ्य स्थिरता, शारीरिक कष्ट इत्यादि सैकड़ों स्वास्थ्य खतरों की करें तो यह समस्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है।अगर हम खासकर वर्तमान पीढ़ी, देश का भविष्य बच्चों और युवाओं को इस बढ़ते फास्ट फूड के प्रचलन से उत्पन्न स्वास्थ्य खतरों को रेखांकित नहीं करा पाए तो यह गैप बहुत बढ़ जाएगी और हमारी ओरिजिनल भारतीय आहार संस्कृति, टिकाऊ जीवन शैली, विलुप्तता की ओर बढ़ने लगेगी इसलिए समय आ गया है कि हम युवाओं में इसके प्रति जागरूकता अभियान चलाकर उन्हें सचेत करें।

साथियों बात अगर हम पुरानी टिकाऊ जीवन शैली और वर्तमान जीवन शैली के अंतर की करें तो हमने कई बार सुना होगा दादा जी तुम तो पुरानी मज़बूत हड्डियों से बने हो! तुम्हारे पास पुराने ही घी मक्खन की ताकत है,तुम पुराने ज़माने के सोने के अंडे खाए,लाभ पाए हो, इत्यादि इत्यादि बातें हम करते हैं जो बिल्कुल सच है परंतु यह असर कोई शक्तिशाली विटामिन का नहीं बल्कि टिकाऊ जीवन शैली, स्वास्थ्यकर आहार, नियमित कसरत, अपार मेहनत, प्रकृति की गोद में बिताए लम्हों की ताकत है जो स्वास्थ्य और शरीर को मजबूत और टिकाऊ बनाए हुए हैं इसीलिए हर बड़े बुजुर्ग का कर्तव्य है कि वह अपने मार्गदर्शन से एक सामाजिक टीम खड़ी कर युवाओं को हेल्दी फूड स्वस्थ्य आहार की आदत, पाश्चात्य जीवन शैली का त्याग, तेजी से बदलती जलवायु परिवर्तन के घातक परिणामों से सबक जैसे अनेक मुद्दों को रेखांकित कर युवाओं को मार्गदर्शन, जन जागरण अभियान चलाकर प्रेरित करें। साथियों बात अगर हम अस्वास्थ्यकर आहार के खतरों पर देश में बने कानूनों, नियमों, विनियमों, राज्य स्तरीय कानूनों, शासन, प्रशासन की करें तो हालांकि उपभोक्ता कानून सहित अनेक नियमों कानूनों में इस संबंध में सख्त धाराएं हैं परंतु ज़रूरत उस सख्ती के साथ कानून लागू करनें की, जनता को जागृत करने की, अधिकारियों में जांबाजी और जज्बे की, जिसके बल पर कुछ कानून का सहारा, कुछ जनजागरण का सहारा, प्रोत्साहन, सतर्कता इत्यादि के बल पर हम इन से बचकर एक टिकाऊ जीवन शैली, स्वास्थ्यकर आहार, आदतों को अपनाकर अपने शरीर, स्वास्थ्य, जीवन को सुरक्षित और सकारात्मक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं।

साथियों बात अगर हम माननीय पूर्व उपराष्ट्रपति द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो इस विषय पर उन्होंने भी कहा, भारत में गैर-संचारी रोगों में वृद्धि की चिंताजनक रूझान को रेखांकित करते हुए उन्होंने निजी क्षेत्र में चिकित्सा संस्थाओं से लोगों, विशेष रूप से युवाओं के बीच एक निष्क्रिय जीवन शैली और अस्वास्थ्यकर आहार की आदतों से उत्पन्न खतरों के बारे में जागरूकता पैदा करने का आग्रह किया। उन्होंने लोगों से निष्क्रिय जीवन शैली का त्याग करने और स्वस्थ जीवन जीने का तरीका अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी और तेजी से बदलती जलवायु हमें हमारी आदतों और जीवन के तरीके के बारे में कई सबक सिखाती है। उन्होंने प्रकृति की गोद में अधिक समय व्यतीत करने और अधिक टिकाऊ जीवन शैली अपनाने की अपील की। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि टिकाऊ जीवन शैली अपनाएं। निष्क्रिय जीवन शैली और अस्वास्थ्यकर आहार की आदतों से उत्पन्न खतरों के बारे में जागरूकता पैदा करना ज़रूरी है। युवाओं के बढ़ते फास्ट फूड के प्रचलन से उत्पन्न स्वास्थ्य ख़तरों को रेखांकित करना समय की मांग है। (-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र)

विज्ञान में नए आयाम स्थापित करता भारत

प्रोफेसर रवीन्द्र नाथ तिवारी

भारत का वैज्ञानिक इतिहास अत्यंत समृद्ध और गौरवशाली रहा है। प्राचीन काल में बौधायन, आर्यभट्ट, वराहमिहिर, चरक, नागार्जुन, ब्रह्मगुप्त और सुश्रुत जैसे महान वैज्ञानिकों ने गणित, खगोल विज्ञान, चिकित्सा और रसायन विज्ञान में महत्वपूर्ण खोजें कीं, जो आज भी विश्वभर में मान्य हैं। इस महान परंपरा को आधुनिक भारतीय वैज्ञानिकों ने आगे बढ़ाया है, जिनमें चंद्रशेखर वेंकटरमन का नाम अग्रणी है। चंद्रशेखर वेंकटरमन ने 28 फरवरी 1928 को रमन प्रभाव की खोज की, जिससे प्रकाश के प्रकीर्णन की एक नई समझ विकसित हुई। इस अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए उन्हें 1930 में भौतिकी का नोबेल पुरस्कार मिला, जिससे वे यह सम्मान पाने वाले पहले एशियाई वैज्ञानिक बने। इसके अलावा, उन्हें फ्रेंकलिन मेडल, लेनिन पुरस्कार और भारत रत्न से भी सम्मानित किया गया। उनकी उपलब्धियों को याद रखने और विज्ञान के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए भारत में 1986 से हर वर्ष 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करना और विज्ञान के महत्व को आमजन तक पहुंचाना है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 की थीम विज्ञान में महिलाएँ: विकसित भारत को गति देने वाली है। यह दिवस हमें विज्ञान की शक्ति को पहचानने और आने वाली पीढ़ियों को नवाचार की ओर प्रेरित करने का अवसर प्रदान करता है।

भारत ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए वैश्विक मंच पर अपनी सशक्त पहचान स्थापित की है। अंतरराष्ट्रीय आकलनों के अनुसार भारत वैज्ञानिक एवं तकनीकी मानव संसाधन, शोध क्षमता और नवाचार के क्षेत्र में विश्व के अग्रणी देशों में निरंतर अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। वैज्ञानिक प्रकाशनों की संख्या में लगातार वृद्धि के साथ भारत वैश्विक ज्ञान निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स 2025 में भारत 39वें स्थान पर बना हुआ है, जो नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र, स्टार्ट-अप संस्कृति, डिजिटल विस्तार और अनुसंधान क्षमता के सुदृढ़ होने का प्रमाण है। इसी प्रकार नेटवर्क रेडीनेस इंडेक्स 2025 में भारत 49वें स्थान पर अपनी स्थिति बनाए हुए है तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आईसीटी सेवा निर्यात, डिजिटल अवसंरचना और तकनीकी प्रतिभा के क्षेत्र में विश्व स्तर पर उल्लेखनीय प्रदर्शन कर रहा है।

वैश्विक अनुसंधान उत्पादन के संदर्भ में भारत शोध प्रकाशनों की संख्या के आधार पर विश्व के शीर्ष देशों में बना हुआ है और जी-20 देशों में अग्रणी स्थान रखता है। देश में अनुसंधान एवं नवाचार को नई दिशा देने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा तैयार 'टेक्नोलॉजी विजन 2035' में स्वास्थ्य, कृषि, ऊर्जा, जल, पर्यावरण और उन्नत प्रौद्योगिकी जैसे प्राथमिक क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया है। महिला वैज्ञानिकों की भागीदारी बढ़ाने, अनुप्रयुक्त अनुसंधान को प्रोत्साहित करने, विश्वस्तरीय कंप्यूटिंग क्षमता विकसित करने हेतु राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन, नवाचार संस्कृति को सुदृढ़ करने के लिए अटल इनोवेशन मिशन, तथा विद्यार्थियों को शोध के प्रति प्रेरित करने के लिए इंस्पायर जैसी योजनाएँ प्रभावी रूप से संचालित की जा रही हैं। अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भारत निरंतर नई ऊँचाइयों की ओर अग्रसर है। गगनयान मानव अंतरिक्ष मिशन, शुक्र कक्षीय मिशन, चंद्रयान-4, उन्नत प्रक्षेपण यान, अंतरिक्ष में डॉकिंग तकनीक तथा निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी भारत को वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में एक प्रमुख शक्ति के रूप में स्थापित कर रहे हैं। इन सभी प्रयासों के माध्यम से भारत विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार आधारित विकास के पथ पर अग्रसर होकर आत्मनिर्भर एवं विकसित राष्ट्र के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है।

21वीं सदी का भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी के नेतृत्व में तीव्र गति से प्रगति कर रहा है, और इस परिवर्तन में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण बनकर उभरी है। शिक्षा, स्वास्थ्य, अनुसंधान, नवाचार और आर्थिक स्वावलंबन के क्षेत्र में उनकी बढ़ती भागीदारी न केवल सामाजिक संरचना को सशक्त कर रही है, अपितु देश की वैज्ञानिक क्षमता को भी नई ऊँचाइयों तक पहुँचा रही है। आज महिलाएँ पारंपरिक भूमिकाओं से आगे बढ़कर प्रयोगशालाओं, अनुसंधान संस्थानों, अंतरिक्ष अभियानों और तकनीकी उद्योगों में अपनी विशिष्ट पहचान बना रही हैं। इसरो की महिला वैज्ञानिकों ने मंगलयान और चंद्रयान जैसे मिशनों की योजना, डिजाइन और क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण योगदान देकर यह सिद्ध किया है कि विज्ञान के आकाश में उनकी उड़ान असीम है।

उपभोक्ता कानून में शीघ्र न्याय दिला सकती कृत्रिम बुद्धिमत्ता !

डॉ श्रीगोपाल नारसन

उपभोक्ता कानून में एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) का उपयोग रियल-टाइम डेटा विश्लेषण द्वारा खरीदारी के पैटर्न को समझने, शिकायतों के तेजी से निपटान, और क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी को रोकने के लिए किया जा रहा है। यह तकनीक उपभोक्ता सेवा की गुणवत्ता पर नजर रखने में सहायक सिद्ध हो रही है। उपभोक्ता मंत्रालय उपभोक्ताओं की शिकायतो को सुनने और उसका समाधान देने के लिए एआई का इस्तौमाल कर रहा है।एआई के कारण शीघ्र समाधान के चलते डिजिटल शिकायतों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। एआई का उपभोक्ता कानून में उपयोग सन 2023 में पहली बार शुरू किया गया था।आईआईटी बॉम्बे के कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के प्रोफेसर डॉ. पुष्पक भट्टाचार्य और उनकी की टीम ने यह चैटबॉट तैयार किया है।साथ ही एनएलएसआईयू बेंगलुरु के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. राहुल हेमराजानी और उनकी टीम ने कानूनी पहलुओं को जोड़ते हुए इस चैटबॉट को प्रशिक्षित किया। डॉ. पुष्पक भट्टाचार्य और डॉ. राहुल हेमराजानी के इस प्रोजेक्ट में उपभोक्ता मंत्रालय नॉलेज पार्टनर था। उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान में एआई बेहद कारगर है।इसी के कारण उपभोक्ता शिकायतों की संख्या व समाधान में इजाफा हुआ है।आंकड़ो पर गौर करे तो

दिसंबर, 2015 देश में जहां 12,553 उपभोक्ताओं की शिकायत दर्ज हुई थीं, वहीं अब यह संख्याआ बढ़कर 1,55, 138 हो गई है।सन 2023 में इन शिकायतों के समाधान में सामान्यतः 66.26 दिन लगते थे, जबकि सन 2024 में यह अवधि घटकर 48 दिन रह गई।वही

जिन कंपनियों के खिलाफ शिकायतें अधिक होती हैं, उनको कन्वर्जेंस पार्टनर बनाया जाता है।सन 2017 में ऐसी कंपनियों की संख्यो 263 थी, जो कि अब बढ़कर 1,038 हो गई हैं। एआई बेस प्रोजेक्टब शुरू होने के बाद ये कंपनियां उपभोक्ताओं की समस्याओं को प्राथमिकता दे रही हैं।देश में 53 प्रतिशत से अधिक लोग ऐसे हैं, जो सरकारी पोर्टल का उपयोग नहीं कर पाते हैं। ऐसे में एआई चैटबॉट उनकी मदद करेगा। हाल ही में गपशप प्लेसटफॉर्म ने उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के साथ मिलकर जागृति एआई चैटबॉट लॉन्च किया है,जो उपभोक्ताओं के लिए मील का पत्थर है। कानून के क्षेत्र में एआई न्याएय गुरु देश का पहला एआई आधारित लीगल चैटबॉट है। यह लोगों को न सिर्फ ऑनलाइन कानूनी सलाह देता है, बल्कि कानूनी तौर पर उनके अधिकारों को समझने में मदद भी करता है।

अमेरिकी टैरिफ पर सियासत नहीं रणनीति की जरूरत भारत के हित सर्वोपरि होने चाहिए

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा सभी देशों पर पंद्रह प्रतिशत समान टैरिफ लगाने की घोषणा ने वैश्विक व्यापार जगत में नई हलचल पैदा कर दी है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। पहले दस प्रतिशत की बात हुई फिर चौबीस घंटे के भीतर पंद्रह प्रतिशत का ऐलान कर दिया गया। इस बदलाव ने यह स्पष्ट कर दिया कि अमेरिका अपनी घरेलू आर्थिक और राजनीतिक जरूरतों के अनुसार व्यापार नीति को हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहा है। ऐसे समय में भारत को भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं बल्कि संतुलित और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है।

कांतिलाल मांडोत

भारतीय राजनीति में इस मुद्दे को लेकर आरोप प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने इसे देश के साथ धोखा बताया और सरकार पर अमेरिकी दबाव में झुकने का आरोप लगाया। वहीं नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का कहना है कि वह राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए हर संभव कूटनीतिक प्रयास कर रही है। इस पूरे घटनाक्रम में यह देखना अधिक महत्वपूर्ण है कि वास्तविक आर्थिक प्रभाव क्या होगा और भारत को आगे की रणनीति कैसी बनानी चाहिए।

सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि पंद्रह प्रतिशत का बेसलाइन टैरिफ सभी देशों पर समान रूप से लागू किया गया है। इससे भारत को कोई अलग से दंड नहीं मिला है बल्कि वह अन्य प्रतिस्पर्धी देशों के समान स्तर पर आ गया है। टेक्सटाइल और मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में यह समानता भारत के लिए चुनौती भी है और अवसर भी। यदि वियतनाम और बांग्लादेश जैसे देश इसी दर पर निर्यात करेंगे तो भारत को अपनी लागत प्रतिस्पर्धा और गुणवत्ता सुधार पर अधिक ध्यान देना होगा। यह समय आत्ममंथन का है न कि केवल राजनीतिक बयानबाजी का।

एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि फार्मा पेट्रोलियम और कुछ इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों को इस पंद्रह प्रतिशत टैरिफ से बाहर रखा गया है। इन पर पहले की तरह लगभग तीन प्रतिशत का

औसत शुल्क लागू रहेगा। भारत अमेरिका को बड़ी मात्रा में दवाइयां और ऊर्जा उत्पाद निर्यात करता है। यदि इन क्षेत्रों को राहत मिली है तो यह स्पष्ट संकेत है कि अमेरिका भी उन उत्पादों पर सख्ती नहीं कर सकता जो उसकी अपनी जरूरत से जुड़े हैं। इसका अर्थ है कि भारत की आपूर्ति श्रृंखला और वैश्विक महत्व को पूरी तरह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

कांग्रेस द्वारा हर निर्णय का विरोध करना राजनीतिक दृष्टि से समझ में आ सकता है परंतु आर्थिक मामलों में अतिरेक उचित नहीं है। यदि टैरिफ अठारह प्रतिशत से घटकर पंद्रह प्रतिशत हुआ है तो इसे पूर्ण पराजय या धोखा कहना तथ्यों के साथ न्याय नहीं करता। व्यापार समझौते हमेशा गतिशील होते हैं। अंतरिम डील का मसौदा बदला जा सकता है और कूटनीति में पुनर्विचार की गुंजाइश बनी रहती है। ऐसे में विपक्ष को रचनात्मक सुझाव देने चाहिए ताकि सरकार बेहतर रणनीति बना सके।

भारत को यह भी समझना होगा कि अमेरिका की नीतियां केवल भारत को लक्ष्य करके नहीं बनतीं। अमेरिका अपने घरेलू उद्योगों को संरक्षण देने के लिए वैश्विक स्तर पर दबाव की नीति अपनाता है। ट्रम्प प्रशासन ने पहले भी टैरिफ को कूटनीतिक उपकरण की तरह इस्तेमाल किया है। इसलिए भारत को दीर्घकालिक दृष्टि से अपनी निर्यात रणनीति को विविधीकृत करना होगा। यूरोप एशिया अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में नए बाजार तलाशने होंगे। यदि किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता रहेगी तो ऐसी नीतिगत अस्थिरता से झटका लगना स्वाभाविक है।

यह भी सच है कि भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा लगातार बढ़ रहा है। यदि अमेरिका के साथ व्यापार में अस्थिरता आती है तो भारत को अपने घरेलू विनिर्माण को मजबूत करने का अवसर समझना चाहिए। निजी क्षेत्र को प्रोत्साहन देकर उच्च तकनीक और वैल्यू एडेड उत्पादों पर ध्यान देना होगा। केवल कच्चा माल या निम्न मूल्य के उत्पाद निर्यात कर हम वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे नहीं बढ़ सकते।

राजनीतिक विमर्श में यह भी देखा जा रहा है कि सरकार की हर पहल को संदेह की नजर से देखा जा रहा है। लोकतंत्र में आलोचना आवश्यक है परंतु जब मुद्दा राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का हो तो भाषा संयमित और तथ्यों पर आधारित होनी चाहिए। जनता को यह समझना होगा कि वैश्विक व्यापार में स्थायित्व कम और परिवर्तन अधिक होता है। ऐसे में सरकार और विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी है कि वे देश के हित को सर्वोपरि रखें। भारत की कूटनीतिक ताकत पिछले कुछ वर्षों में बढ़ी है। बहुपक्षीय मंचों पर सक्रिय भूमिका और विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते इसका प्रमाण हैं। यदि अमेरिका के साथ किसी प्रावधान में संशोधन की आवश्यकता होगी तो बातचीत के माध्यम से समाधान निकाला जा सकता है। टकराव की भाषा से बाजार में अनिश्चितता बढ़ती है और निवेशकों का विश्वास प्रभावित होता है।

अंततः यह कहना उचित होगा कि पंद्रह प्रतिशत टैरिफ को लेकर अतिशयोक्ति से बचना चाहिए। यह न तो पूर्ण जीत है और न ही पूर्ण हार। यह वैश्विक व्यापार राजनीति का एक अध्याय भर है। भारत को आत्मनिर्भरता और निर्यात विविधीकरण की दिशा में निरंतर आगे बढ़ना होगा। विपक्ष को चाहिए कि वह केवल विरोध की राजनीति से ऊपर उठकर ठोस आर्थिक सुझाव दे। सरकार को चाहिए कि वह पारदर्शिता बनाए रखे और उद्योग जगत को स्पष्ट दिशा प्रदान करे।

देश की अर्थव्यवस्था किसी एक बयान या एक निर्णय से नहीं डगमगाती। मजबूत नीति स्पष्ट रणनीति और सामूहिक राजनीतिक परिपक्वता ही हमें वैश्विक अनिश्चितताओं से सुरक्षित रख सकती है। अमेरिका की नीति बदल सकती है पर भारत की दीर्घकालिक आर्थिक सोच स्थिर और दूरदर्शी होनी चाहिए। यही समय की मांग है और यही राष्ट्रीय हित की सच्ची रक्षा भी है।

अल्प प्रवास पर आए केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान

ट्रेड डील पर कांग्रेस के आरोप पर बोले- जो देश के लिए कुछ नहीं कर पाए वह सिर्फ कहेंगे

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर (निप्र)। अल्प प्रवास पर पहुंचे केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने झांसी निकलने से पहले एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत करते हुए कांग्रेस पर हमला यूएसए से ट्रेड डील को किसान विरोधी बताते हुए कांग्रेस प्रदर्शन कर रही है इस पर शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस को आड़े हाथ लिया है केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कहा है कि यह कांग्रेस कह रही है जो देश के लिए कुछ नहीं कर पाए हैं वह सिर्फ कहेंगे वह सिर्फ विलाप कर रहे हैं सच यह है कि भारत के सभी हित सुरक्षित है किसानों के हित सुरक्षित है यह बात एक कृषि मंत्री भी कह रहा है एक किसान भी कह रहा है इसलिए मेरे किसान भाई निश्चिंत रहें।

एयरपोर्ट पर शिवराज सिंह का स्वागत करते बीजेपी कार्यकर्ता: भारत सरकार में केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को शुक्रवार को झांसी में एक कार्यक्रम में जाना है वह दिल्ली से फ्लाइट के जरिए ग्वालियर पहुंचे और यहां से झांसी के लिए रवाना हुए हैं इस दौरान राजमाता विजयराजे सिंधिया एयर टर्मिनल पर केन्द्रीय कृषि मंत्री का भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया केंद्रीय मंत्री चौहान ने महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद के शहादत दिवस पर उनको नमन करते हुए कहा कि भारत माता की स्वतंत्रता के लिए उन्होंने अपना सर्वस्व न्योछावर किया वह आज भी हमारी प्रेरणा है वे देश के लिए संपूर्ण जीवन देकर गए हम देश के लिए यही संकल्प करें और देश के लिए जीने का मतलब यही है कि हम अपनी ड्यूटी अपना कर्तव्य जो काम हमारी तरफ तय किया गया है उसे कैसे मेहनत से करें, ईमानदारी से करें प्रामाणिकता के साथ करें इजराइल संसद मे पीएम के भाषण पर कहा- कई चीजें पहली बार हो रही हैं केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इजरायल की संसद में पहली बार भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिए गए भाषण को लेकर कहा कि कई चीजे पहली बार हो रही है पीएम मोदी के नेतृत्व में एक वैभवशाली गौरवशाली संपन्न समृद्ध शक्तिशाली आत्मनिर्माण और विकसित भारत का निर्माण हो रहा है यह हम नहीं कहते जमाना कहता है भारत आगे बढ़ रहा है और यह मेरा विश्वास है कि आज जिस गति से भारत आगे बढ़ रहा है। आज हम विश्व बंधु तो है ही, हम अपनी नहीं सोचते हम दुनिया की भी सोचते हैं।

2 दिवसीय श्याम महोत्सव शुरू:फागुन एकादशी पर तृतीय वार्षिक उत्सव

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। फागुन एकादशी के अवसर पर खाटू श्याम मंदिर में दो दिवसीय तृतीय वार्षिक श्याम महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह महोत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जा रहा है जिसमें मंदिर समिति ने सभी श्रद्धालुओं और नगरवासियों को सपरिवार शामिल होने का आमंत्रण दिया है समिति के सदस्यों के अनुसार, महोत्सव का शुभारंभ गुरुवार को मंगल पाठ के साथ हुआ आज शुक्रवार को सुंदरकांड पाठ और भोग प्रसाद वितरण किया जाएगा शाम 4 बजे स्थानीय राम मंदिर से खाटू श्याम मंदिर तक एक निशान यात्रा निकाली जाएगी, जो शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरेगी शाम 7 बजे श्याम रसोई का आयोजन होगा, जिसके बाद रात 8:30 बजे से कलकत्ता के कलाकारों द्वारा श्याम संकीर्तन प्रस्तुत किया जाएगा इस संकीर्तन में श्रद्धालु भजन-कीर्तन के माध्यम से बाबा की महिमा का गुणगान करेंगे समिति के लोगों ने बताया कि फागुन एकादशी पर बाबा के दरबार में विशेष पूजन-अर्चन का महत्व है आयोजनकर्ता खाटू श्याम सेवा समिति, मनेंद्रगढ़ ने नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

रेत माफिया पर खनिज विभाग का बड़ा प्रहार रेत खदान में छापा, चौन माउंट मशीन व हाइवा जब्त

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। अवैध रेत उत्खनन पर शिकंजा कसते हुए कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशन में जिला खनिज उड़नदस्ता दल ने क्षेत्र में एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है इस कार्रवाई में ग्राम पंचायत मलकडोल स्थित रेत खदान में दबिश देकर अवैध रेत उत्खनन के उपकरणों को जब्त किया गया है खनिज अधिकारी दयानन्द तिग्गा ने बताया कि मलकडोल रेत खदान में लगातार चौन माउंट मशीन के माध्यम से अवैध रेत लोडिंग की शिकायतें मिल रही थीं। इन शिकायतों की पुष्टि करने के लिए 25 फरवरी 2026 की रात खदान की सघन जांच की गई, जिसमें अवैध गतिविधियाँ पाई गईं मौके पर एक चौन माउंट मशीन रेत लोडिंग करते हुए पकड़ी गई इस दौरान खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 की उपधारा (1) और (5) के अंतर्गत वैधानिक कार्रवाई की गई और मशीन के साथ एक हाइवा वाहन भी जब्त किया गया जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जिले में अवैध रेत उत्खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ इस प्रकार की सख्त कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी प्रशासन की इस कार्रवाई से अवैध रेत कारोबारियों में हड़कंप मचा है और यह कड़ा संदेश दिया गया है कि नियमों के उल्लंघन पर किसी भी स्तर पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

फौजी ने परिवार पर पेट्रोल डाला : करैरा में बंटवारे की सुनवाई के दौरान हंगामा लोगों ने छीनी माचिस

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। करैरा तहसील में गुरुवार (26 फरवरी 2026) को एक खौफनाक घटना सामने आई। यहां जमीन बंटवारे के एक मामले की सुनवाई के दौरान एक रिटायर्ड फौजी ने भरे न्यायालय कक्ष में अपने परिवार के साथ खुद पर पेट्रोल डालकर आत्मदाह का प्रयास किया। गनीमत रही कि मौके पर मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए माचिस छीन ली जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद पुलिस ने नायब तहसीलदार के प्रवाचक की शिकायत पर रिटायर्ड फौजी और उसके भाई के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है जानकारी के अनुसार, रिटायर्ड फौजी कमल किशोर पाठक का आरोप है कि नायब तहसीलदार और पटवारी उनकी जमीन के बंटवारे के एवज में अपने लिए एक प्लॉट की मांग कर रहे थे इसी बात से आहत होकर और विवाद के चलते उन्होंने भरे न्यायालय में यह आत्मघाती कदम उठाया करैरा तहसील (वृत्त दिनारा) के नायब तहसीलदार के प्रवाचक लोकेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव ने अपनी शिकायत में बताया कि गुरुवार शाम करीब 5:10 बजे ग्राम थनरा के बंटवारा प्रकरण की सुनवाई चल रही थी। इस दौरान खातेदार रतीराम, मनीराम, मातादीन और मातादीन के पुत्र कमलकिशोर (रिटायर्ड फौजी) व घनश्याम सहित अन्य लोग कक्ष में उपस्थित थे पत्नी, बच्ची और सरकारी दस्तावेजों पर छिड़क दिया पेट्रोल शिकायत के मुताबिक, सुनवाई के दौरान कमलकिशोर और घनश्याम ने नायब तहसीलदार पर गंभीर आरोप लगाते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी और आग लगाकर आत्महत्या करने की धमकी देने लगे विवाद इतना बढ़ गया कि घनश्याम ने अपने थैले में रखे डिब्बे से पेट्रोल निकाला और खुद पर अपनी पत्नी पर और छोटी बच्ची पर उड़ेल लिया। इतना ही नहीं उसने टेबल पर रखे महत्वपूर्ण शासकीय दस्तावेजों पर भी पेट्रोल छिड़क दिया माचिस जलाते ही लोगों ने छीनी, टला बड़ा हादसा पेट्रोल डालने के बाद जैसे ही घनश्याम ने माचिस निकालकर आग लगाने की कोशिश की मौके पर मौजूद अन्य लोगों ने तुरंत हस्तक्षेप करते हुए उसके हाथ से माचिस छीन ली इस तत्परता से एक बहुत बड़ा और जानलेवा हादसा टल गया घटना के समय कक्ष में नायब तहसीलदार अशोक श्रीवास्तव, पटवारी भानु जाटव, संतोष रावत, सूरजभान यादव और देवीसिंह यादव भी मौजूद थे करैरा थाना पुलिस ने इस पूरी घटना को बेहद गंभीरता से लिया है। इस कृत्य को शासकीय कार्य में बाधा डालने और जानलेवा हरकत मानते हुए पुलिस ने रिटायर्ड फौजी कमल किशोर पाठक और उसके भाई घनश्याम पाठक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 132, 296(ए) और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

फिल्म 'यादव जी की लव स्टोरी' पर विरोध यादव समाज ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। 'यादव जी की लव स्टोरी' फिल्म को लेकर सर्व यादव समाज ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। समाज ने फिल्म के शीर्षक और कथानक पर आपत्ति जताते हुए इसे समुदाय की भावनाओं को आहत करने वाला बताया है समाज के प्रतिनिधियों ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर फिल्म पर तत्काल प्रतिबंध लगाने की मांग की है इस विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट ने फिल्म के शीर्षक पर प्रतिबंध लगाने से इनकार कर दिया है अदालत ने स्पष्ट किया है कि केवल नाम के आधार पर यह नहीं कहा जा सकता कि किसी समुदाय की छवि खराब हो रही है फिलहाल इस मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। जिलाध्यक्ष सरजू यादव ने कहा कि समाज किसी भी रचनात्मक अभिव्यक्ति के खिलाफ नहीं है, लेकिन यदि किसी समुदाय विशेष को गलत तरीके से दिखाया जाता है तो यह स्वीकार्य नहीं है पूर्व पार्षद रमेश यादव ने भी प्रशासन से मामले में हस्तक्षेप कर उचित कार्रवाई करने की मांग की है इस विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट ने फिल्म के शीर्षक पर प्रतिबंध लगाने से इनकार कर दिया है अदालत ने स्पष्ट किया है कि केवल नाम के आधार पर यह नहीं कहा जा सकता कि किसी समुदाय की छवि खराब हो रही है फिलहाल इस मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है।

टीआई की कॉलर पकड़ने वाले आरोपी का जुलूस : लगवाया नारा अपराध करना पाप है पुलिस हमारा बाप है

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले (देहात थाना क्षेत्र) में पुलिस ने एक टीआई (टाउन इंस्पेक्टर) के साथ गाली-गलौज करने और उनकी कॉलर पकड़ने वाले आरोपी का शुक्रवार को जुलूस निकाला। आरोपी को मुख्य बाजार से पैदल ले जाया गया जहां वह 'अपराध करना पाप है पुलिस हमारा बाप है' के नारे लगाता हुआ नजर आया पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है गुरुवार दोपहर पर शारदा सॉल्वेंट के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने एक ऑटो को पीछे से टक्कर मार दी थी इस हादसे में ऑटो पलट गया और उसमें सवार 5 लोग घायल हो गए हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया, लेकिन वहां मौजूद आक्रोशित लोगों ने ट्रक के हेल्पर विकास धाकड़ को पकड़ लिया और उसे पीटना शुरू कर दिया नशे की हालत में ट्रक हेल्पर ने टीआई को गाली देने के साथ कॉलर पकड़ ली उसी रास्ते से ड्यूटी पर जा रहे निरीक्षक (टीआई) रवि शंकर कौशल ने भीड़ को रोककर बीच-बचाव किया और हेल्पर विकास धाकड़ की जान बचाई पुलिस के अनुसार, आरोपी नशे की हालत में था। मदद के बदले उसने टीआई के साथ ही गाली-गलौज शुरू कर दी और हाथापाई करते हुए उनकी कॉलर पकड़ ली इस बदसलूकी के बावजूद टीआई कौशल ने संयम बरता और सबसे पहले कोलारस निवासी मुकेश नामदेव सहित सभी 5 घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया रात देहात थाना प्रभारी विकास यादव ने टीआई रवि शंकर कौशल की शिकायत पर आरोपी विकास धाकड़ के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा, गाली-गलौज और मारपीट की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसका जुलूस निकाला: पुलिस के मुताबिक, फिलहाल फरार ट्रक चालक की सरगर्मी से तलाश की जा रही है और मामले की आगे की जांच जारी है।

फिल्म 'यादव जी की लव स्टोरी' पर विरोध यादव समाज ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। 'यादव जी की लव स्टोरी' फिल्म को लेकर सर्व यादव समाज ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है समाज ने फिल्म के शीर्षक और कथानक पर आपत्ति जताते हुए इसे समुदाय की भावनाओं को आहत करने वाला बताया है समाज के प्रतिनिधियों ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर फिल्म पर तत्काल प्रतिबंध लगाने की मांग की है ज्ञापन में कहा गया है कि फिल्म का नाम और इसकी कहानी समाज की सामाजिक छवि को गलत तरीके से प्रस्तुत कर रही है जिससे क्षेत्र में धार्मिक और जातीय सद्भाव प्रभावित हो सकता है सर्व यादव समाज के जिलाध्यक्ष सरजू यादव ने कहा कि समाज किसी भी रचनात्मक अभिव्यक्ति के खिलाफ नहीं है, लेकिन यदि किसी समुदाय विशेष को गलत तरीके से दिखाया जाता है तो यह स्वीकार्य नहीं है पूर्व पार्षद रमेश यादव ने भी प्रशासन से मामले में हस्तक्षेप कर उचित कार्रवाई करने की मांग की है इस विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट ने फिल्म के शीर्षक पर प्रतिबंध लगाने से इनकार कर दिया है अदालत ने स्पष्ट किया है कि केवल नाम के आधार पर यह नहीं कहा जा सकता कि किसी समुदाय की छवि खराब हो रही है फिलहाल इस मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है।

कांग्रेस नेताओं ने ही जनपद,उपाध्यक्ष पर करवाई थी फायरिंग पूर्व सरपंच,रिश्तेदार को गोली लगी

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। राजनीतिक वर्चस्व और जमीन बिजनेस की लड़ाई के चलते कांग्रेस नेता नीतेश सिंह पर गोली चलाई गई थी जिसमें पूर्व सरपंच चंद्रकांत सिंह के हाथ और एक रिश्तेदार राजकुमार सिंह उर्फ 'राजू सिंह' के पैर पर 2 गोलियां लगीं थी इस मामले में कांग्रेस नेता नागेंद्र राय और टाकेश्वर पाटले अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं मस्तूरी पुलिस और ने उनकी तलाश के कई प्रयास किए लेकिन सफलता नहीं मिली ऐसे में स्थिति को देखते हुए स्स्क रजनेश सिंह ने दोनों आरोपियों पर 5-5 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है बता दें कि इस घटना के मास्टरमाइंड विश्वजीत को तारकेश्वर पाटले ने शूटर्स को देने के लिए 1 लाख रुपए उपलब्ध कराए जबकि नागेंद्र राय भी हत्या की प्लानिंग में शामिल रहा इसी आधार पर पुलिस दोनों आरोपियों की तलाश कर रही है हालांकि, तारकेश्वर और नागेंद्र राय पुलिस गिरफ्त से बाहर है दरअसल मस्तूरी जनपद उपाध्यक्ष नीतेश सिंह के कार्यालय में 28 अक्टूबर की देर शाम नकाबपोश शूटरों ने अंधाधुंध गोलियां बरसाईं थी। इस फायरिंग के दौरान मौके पर मौजूद मुड़पार के पूर्व सरपंच चंद्रकांत सिंह के हाथ और एक रिश्तेदार राजकुमार सिंह उर्फ 'राजू सिंह' के पैर पर 2 गोलियां लगीं थी वहीं एक गोली पीठ को छूकर निकल गई बचाव में जब नीतेश ने अपने लाइसेंसी पिस्टल से रिटर्न फायर किया तो शूटर भाग निकले मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी इसके बाद घायल चंद्रकांत सिंह (55) और राजू सिंह (45) को अपोलो अस्पताल ले जाया गया घटना के बाद मौके पर पहुंची थी पुलिस मामले की जांच के बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी विश्वजीत अनंत सहित 9 लोगों को गिरफ्तार किया है कांग्रेस नेता अकबर खान समेत सभी नौ आरोपी फिलहाल जेल में हैं।

14 वर्ष की बालिकाओं के लिए नि :शुल्क शिक्षकों को दी गई विशेष जानकारी, जागरूकता दूत बनेंगे शिक्षक

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। ह्यूमन पैपिलोमा वायरस टीकाकरण अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग द्वारा विकासखंड में शिक्षकों का उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संपन्न हुआ जिसमें शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग ने मिलकर बालिकाओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए साझा रणनीति बनाई कार्यक्रम मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे तथा खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर. के. रमन के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया अधिकारियों ने शिक्षकों को अभियान की रूपरेखा, लक्षित आयु वर्ग एवं टीकाकरण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी कार्यक्रम में बीपीएम सुलेमान खान ने सर्वाइकल कैंसर की गंभीरता और इसके बढ़ते मामलों पर प्रकाश डाला उन्होंने बताया कि सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाले प्रमुख कैंसरों में से एक है जिसका मुख्य कारण ह्यूमन पैपिलोमा वायरस संक्रमण है।

खड़गवां बनेगा जिले का प्रमुख केंद्र, 14 वर्ष तक की बालिकाओं को मिलेगा नि : शुल्क टीका

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। देशभर में सर्वाइकल कैंसर से बचाव की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए राष्ट्रीय स्तर पर एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान का शुभारंभ 28 फरवरी 2026 को राजस्थान के अजमेर से किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रात: 11:30 बजे से 11:45 बजे तक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस अभियान की औपचारिक शुरुआत करेंगे इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगें इस अभियान का राज्य स्तरीय कार्यक्रम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खड़गवां, जिला (एमसीबी) में आयोजित किया जाएगा। जिले में खड़गवां को प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया गया है, जहां से स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल अभियान की औपचारिक शुरुआत करेंगे कार्यक्रम के दौरान विशेष रूप से तैयार एचपीवी टीकाकरण जागरूकता वीडियो का क्लिकर के माध्यम से विमोचन किया जाएगा तथा अस्थायी टीकाकरण केंद्रों को जूम वेब लिंक के जरिए ऑनलाइन जोड़ा जाएगा जिससे कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सुनिश्चित हो सके यह अभियान विशेष रूप से 14 वर्ष आयु वर्ग की उन किशोरी बालिकाओं के लिए है जिन्होंने अभी 15वां जन्मदिवस पूर्ण नहीं किया है चयनित बालिकाओं को कोल्ड चेन प्वाइंट पर लाकर नि:शुल्क एचपीवी टीका लगाया जाएगा।

सागर में तीन भाइयों पर धारदार हथियार से हमला

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के मोतीनगर थाना क्षेत्र स्थित लक्ष्मीनारायण वाटिका के पास गुरुवार रात करीब 11 बजे लक्ष्मीनारायण वाटिका के पास जाम के दौरान तीन भाइयों के साथ धारदार हथियार और लात-घूंसों से मारपीट की गई, जिसमें वे घायल हो गए और पुलिस ने दो नामजद आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। फरियादी सूरज पिता चंदकुमार सुखवानी, निवासी गुरुनानक कॉलोनी सिंधी कैंप, ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि घर में खाना नहीं बना था, इसलिए वह अपने भाई अजय सुखवानी और शाहिल सुखवानी के साथ होटल में खाना खाने गए थे।

स्कूटी से लौटते समय लगा जाम : खाना खाकर तीनों भाई रात करीब 11 बजे स्कूटी से घर लौट रहे थे। लक्ष्मीनारायण वाटिका के पास उस समय एक बारात निकल रही थी, जिससे सड़क पर जाम की स्थिति बन गई थी। तीनों भाई जाम में खड़े थे, तभी पीछे से कुछ युवक आए और बिना बात के विवाद करने लगे।

स्कूटी की चाबी निकाली, गाली-गलौज शुरू : शिकायत के मुताबिक युवकों ने स्कूटी की चाबी निकाल ली और गाली-गलौज करने लगे।

जब तीनों भाइयों ने गाली देने से मना किया तो आरोपियों ने मारपीट शुरू कर दी। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और लात-घूंसों से हमला किया गया।

कटर से किया हमला, तीनों घायल : सूरज ने बताया कि मारपीट के दौरान एक आरोपी ने कटर से हमला किया। इस हमले में अजय, शाहिल और सूरज तीनों को चोटें आईं।

घटना देख आसपास मौजूद लोगों ने बीचबचाव किया, तब जाकर मामला शांत हुआ। इसके बाद घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

शराब के लिए पैसों की मांग का आरोप : अस्पताल में भर्ती सूरज सुखवानी ने बताया कि हमला करने वाले युवक शराब पीने के लिए पैसे मांग रहे थे। पैसे देने से इनकार करने पर उन्होंने तीनों भाइयों के साथ मारपीट की।

उन्होंने कहा कि मामले में थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है और पुलिस से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

दो नामजद आरोपियों पर केस दर्ज : मोतीनगर पुलिस ने शिकायत के आधार पर शुभम जैन और अंशित जैन के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस का कहना है कि घटना की जांच की जा रही है और आरोपियों के खिलाफ साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इलाके में तनाव का माहौल : घटना के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी रही। स्थानीय लोगों का कहना है कि जाम के दौरान इस तरह की घटनाएं सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती हैं। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि मामले में निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विदिशा में विवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले के माला गांव में शुक्रवार सुबह एक नवविवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। 24 वर्षीय मृतका की पहचान सिमरन अहिरवार के रूप में हुई है, जिसकी शादी लगभग एक वर्ष पहले बलवंत अहिरवार से हुई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। परिजनों के अनुसार, यह घटना सुबह करीब 9 से 10 बजे के बीच हुई। सिमरन को घर में फंदे पर लटका पाया गया। घबराए परिजन उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गुलाबगंज ले गए। गुलाबगंज में प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल विदिशा रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने किया मर्ग कायम : जिला अस्पताल के डॉक्टर ने बताया कि महिला को अस्पताल लाए जाने तक उसकी मौत हो चुकी थी। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है, जिससे मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। मामले की सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। चूंकि विवाह को केवल एक वर्ष हुआ था, पुलिस दहेज प्रताड़ना सहित अन्य सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रही है। परिजनों और ससुराल पक्ष के बयान दर्ज किए जा रहे हैं, और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

खरगोन में ढोल-ताशा वादक ने की आत्महत्या

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन के लक्ष्मी नगर क्षेत्र में एक ढोल ताशा संचालक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान 32 वर्षीय अंकित उर्फ कुंदन पांजरे निवासी कालाखेत, लक्ष्मीनगर के रूप में हुई है। परिजनों ने स्थानीय बजाज फाइनेंस कंपनी के कर्मचारियों पर लोन की किस्त चुकाने के लिए लगातार दबाव बनाने का आरोप लगाया है, जिसके कारण अंकित ने यह कदम उठाया। यह घटना सुबह करीब 11:30 बजे हुई। अंकित को एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जिसके बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि घटना से कुछ देर पहले भी किस्त भरने के लिए फाइनेंस कंपनी से फोन आया था।

भाई ने कहा-50 हजार का लोन लिया था : मृतक के भाई विक्की पांजरे ने जानकारी दी कि अंकित ने बजाज फाइनेंस से 50 हजार रुपए का लोन लिया था। वह पिछले तीन माह से इसकी किस्त नहीं चुका पा रहा था। फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी लगातार फोन कर रहे थे और पेनल्टी भरने का दबाव बना रहे थे। विक्की के अनुसार, अंकित ने पहले भी आत्महत्या करने की धमकी दी थी। बाद में छोटे भाई मनीष ने घर में साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगाने की सूचना दी। परिजनों ने इस मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की है। अस्पताल पुलिस के अनुसार, कुंदन को मृत अवस्था में जिला अस्पताल लाया गया था। उसके शव का पोस्टमार्टम करा लिया गया है। अस्पताल चौकी आरक्षक गटाराम सोलंकी ने बताया कि परिजनों के आरोप के संबंध में कोतवाली पुलिस नियमानुसार बयान दर्ज कर जांच करेगी। पोस्टमार्टम के बाद शव को जिला अस्पताल के फ्रीजर में रखवा दिया गया है। संभवतः शनिवार को सभी परिजनों के पहुंचने पर अंतिम संस्कार किया जाएगा। अंकित ढोल ताशा बजाने के अलावा मजदूरी भी करता था। उसके परिवार में बुजुर्ग मां मान मायाबाई, पत्नी मधु, 8 साल की बेटी माही (तीसरी कक्षा में) और 6 साल का बेटा लक्ष्य (पहली कक्षा में) शामिल हैं।

एमपी के बोटमैन हुए हाईटेक:मढ़ई में ली जीवन रक्षा और बोट सुधारने की ट्रेनिंग

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। मध्यप्रदेश वन विभाग में पदस्थ बोटमैन (नाविक) अब और भी हाईटेक हो गए हैं। मध्य प्रदेश ईको टूरिज्म बोर्ड द्वारा नर्मदापुरम के सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (मढ़ई) में 10 दिवसीय प्रदेशस्तरीय मोटर बोट चालन एवं मरम्मत प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस ट्रेनिंग में बोटमैन को नाव चलाने के साथ-साथ आपात स्थिति में लोगों की जान बचाने के अहम गुर भी सिखाए गए हैं।

गोवा के एक्सपर्ट ने दी विशेष ट्रेनिंग : इस विशेष प्रशिक्षण के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वाटर स्पोर्ट्स (ह्द्धङ्ख्स) गोवा से एक्सपर्ट मदन मोहन राव को आमंत्रित किया गया था। क्षेत्र संचालक राखी नंदा ने बताया कि गोवा का यह संस्थान देश का एकमात्र सरकारी वाटर स्पोर्ट इंस्टीट्यूट है। देश भर के सरकारी संस्थानों में बोटमैन को इसी इंस्टीट्यूट के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग दी जाती है।

10 दिवसीय प्रशिक्षण में 24 वनकर्मी हुए शामिल : इस 10 दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम में प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से कुल 24 वनकर्मियों ने हिस्सा लिया... नरसिंहपुर, मुरैना, खंडवा, सीधी, पायंली और गांधीसागर अभ्यारण्य से 16 प्रशिक्षणार्थी शामिल हुए। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से 8 वनकर्मियों ने यह विशेष ट्रेनिंग प्राप्त की।

सिखाए गए ये अहम कौशल : रेंजर विलास डोंगरे के अनुसार, इस दौरान प्रशिक्षणार्थियों को कई महत्वपूर्ण तकनीकी और जीवन रक्षक कौशल सिखाए गए... मोटर बोट का सुरक्षित चालन।

बच्चा चोरी के शक में महिलाओं को भीड़ ने घेरा, खंडवा में फेरी लगाकर सामान बेचती थी

हरसूद पुलिस ने जांच के बाद छोड़ा

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा जिले में इन दिनों बच्चा चोरी की अफवाहों के चलते बाहर से आए लोगों को रोककर पूछताछ और मारपीट की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। हालांकि अब तक पूरे जिले में बच्चा चोरी का एक भी मामला दर्ज नहीं हुआ है। इसके बावजूद अफवाहों के आधार पर लोग कानून अपने हाथ में ले रहे हैं। ताजा मामला खंडवा जिले के हरसूद थानाक्षेत्र का है। गुरुवार को पुनर्वास स्थल स्थित कृषि उपज मंडी के पास जबलपुर क्षेत्र से आई चार महिलाएं फेरी लगाकर अटैची और अन्य सामान बेच रही थीं। इसी दौरान कुछ लोगों ने उन पर बच्चा चोरी की आशंका जताते हुए घेर लिया और पूछताछ शुरू कर दी। देखते ही देखते मौके पर भीड़ जमा हो गई और कई लोग वीडियो बनाने लगे। भीड़ से घबराई दो महिलाएं किसी तरह वहां से निकल गईं, जबकि दो महिलाओं को लोगों ने घेरकर रखा और बाद में उन्हें हरसूद थाने ले जाया गया। जहां पुलिस ने पूछताछ और सत्यापन के बाद महिलाओं को छोड़ दिया। पुलिस ने कहा, बिना किसी ठोस आधार के किसी व्यक्ति को पकड़ना या मारपीट करना गलत है।

यदि किसी को बच्चे को ले जाते हुए संदिग्ध स्थिति दिखाई दे तो तत्काल पुलिस को सूचना दें। इधर, हरसूद टीआई राजकुमार राठौर ने बताया कि महिलाएं जबलपुर की रहने वाली हैं और पिछले दो दिनों से हरसूद क्षेत्र में फेरी लगाकर सामान बेच रही थीं। वे यहां डेरा डालकर रह रही थीं और इसकी सूचना पहले से थाने में दर्ज थी। लोगों ने बच्चा चोरी की शंका में उन्हें थाने पहुंचाया था, लेकिन जांच में किसी तरह का आपराधिक तथ्य सामने नहीं आया। कानून अपने हाथ में लेने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अफवाहों के मद्देनजर लोगों में शक बढ़ा : गौरतलब है कि, बीते दिनों एक मानसिक रूप से दिव्यांग महिला को भी बच्चा चोरी की अफवाह के चलते लोगों ने पकड़ लिया था। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में बच्चा चोरी की कोई घटना दर्ज नहीं है और लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की गई है।

बुरहानपुर में पिता ने बेटे पर चाकू से किया हमला

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर के निंबोला थाना क्षेत्र के ग्राम बसाड़ में शुक्रवार सुबह एक पिता ने अपने बेटे को चाकू मारकर घायल कर दिया। इस घटना में बेटे के सीने में गंभीर चोट आई है। घायल युवक को जिला अस्पताल बुरहानपुर में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार चल रहा है।

जानकारी के अनुसार, यह घटना सुबह करीब 11:30 बजे हुई। बसाड़ निवासी 30 वर्षीय सूरज को उसके पिता (राजेंद्र सिंह) ने आपसी विवाद के चलते चाकू मार दिया। विवाद के सही कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। घटना की सूचना मिलने पर निंबोला थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची।

7 साल की बच्ची का चेहरा पटाखे से झुलसा, सड़क पर पड़े पटाखे से खेलते समय हादसा

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के गुलगंज थाना क्षेत्र में एक लावारिस पटाखा फटने से 7 वर्षीय बच्ची आयत गंभीर रूप से घायल हो गई। बच्ची अपने घर के पास खेल रही थी, तभी सड़क पर मिले एक पटाखे को जलाने पर वह उसके चेहरे के पास फट गया, जिससे उसका चेहरा बुरी तरह झुलस गया। उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका ऑपरेशन जारी है और फिलहाल उसकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। परिजनों के अनुसार, आयत अन्य बच्चों के साथ अपने घर के पास खेल रही थी। इसी दौरान बच्चों को सड़क पर पड़ा एक लावारिस पटाखा मिल गया। बच्चों ने खेल-खेल में उस पड़े हुए पटाखे को जला दिया। पटाखे में आग लगाते ही अचानक एक तेज विस्फोट हुआ और पटाखा सीधे आयत के चेहरे के पास फट गया। इस धमाके से उसके चेहरे पर गंभीर चोटें आईं और खून बहने लगा। अचानक हुए इस ब्लास्ट और बच्ची को लहूलुहान देखकर मौके पर अफरा-तफरी मच गई। माता-पिता लेकर पहुंचे अस्पताल, डॉक्टरों ने शुरू किया इलाज घटना के तुरंत बाद बच्ची के माता-पिता (असलम और सलमा) उसे आनन-फानन में जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने प्राथमिक जांच के बाद आयत को सीधे ऑपरेशन थिएटर में शिफ्ट कर दिया। चिकित्सकों ने बताया कि बच्ची के चेहरे पर गहरे घाव हैं, जिनका उपचार किया जा रहा है। फिलहाल उसकी हालत स्थिर और नियंत्रण में है। शादी-विवाह की आतिशबाजी बन रही हादसों का कारण अक्सर शादी-विवाह या अन्य आयोजनों में आतिशबाजी के दौरान कई पटाखे जल नहीं पाते और सड़क पर ही पड़े रह जाते हैं।

पिपरिया में महिला ने छात्र को खिलाई नशीली टॉफी

परिचित ने पहुंचाया अस्पताल; शिकायत दर्ज

मीडिया ऑडीटर, पिपरिया (निप्र)। पिपरिया में ट्यूशन से लौट रहे 13 साल के छात्र को एक महिला ने नशीली टॉफी खिला दी, जिससे वह बेहोश हो गया। छात्र को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के बाद उसकी हालत स्थिर है। परिजनों ने इस संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। घटना गुरुवार रात की है। छात्र राजा, पिता कैलाश अहिरवार है, गिल मैडम के यहां ट्यूशन पढ़कर घर लौट रहा था। पालीवाल ड्रीम सिटी के पास एक साड़ी पहने महिला ने उसे टॉफी खाने को दी। राजा ने मना किया, लेकिन महिला ने जबरन उसके मुंह में टॉफी डाल दी। इसके बाद राजा को चक्कर आने लगे और वह बेहोश हो गया।

परिचित ने राजा को सड़क पर बेसुध पड़ा देखा : संयोग से, एक परिचित ने राजा को सड़क पर बेसुध पड़ा देखा और तुरंत उसके परिजनों को सूचित किया। परिजन राजा को पिपरिया के सरकारी अस्पताल ले गए। अस्पताल स्टाफ के अनुसार, रात करीब 9 बजे राजा को उल्टी हो रही थी और उसे ड्रिप लगाई गई थी। कुछ देर इलाज के बाद उसकी हालत में सुधार हुआ और परिजन उसे घर ले गए।

परिजनों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई : स्टेशन रोड थाने के हवलदार मोहन सिंह उईके ने बताया कि गुरुवार शाम राजा के नाम से एक शिकायत आवेदन प्राप्त हुआ है, जिसे जांच में लिया गया है। एसडीपीओ मोहित यादव ने बताया आवेदन की जांच की जाएगी और घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जाएंगे। नगर में पिछले कुछ समय से बच्चा चोर गिरोहों की अफवाहें चल रही हैं। हालांकि, इन अफवाहों की कोई पुख्ता जानकारी सामने नहीं आई थी। पुलिस को इसकी बारीकी से तफ्तीश कर सच उजागर करना चाहिए।

सिंगरौली में सड़क नहीं होने से लड़कियों की शादियां टूटी लोग बोले- एंबुलेंस गांव तक नहीं पहुंचती

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले की सुहिरा अमिलिया ग्राम पंचायत के लोग आज भी मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। यहां के गोदरी खोली मोहल्ले में सड़क न होने का खामियाजा अब गांव की बेटियों को भुगतना पड़ रहा है। रास्ते की खराब हालत और कीचड़ की वजह से यहां अब तक कई लड़कियों की शादियां टूट चुकी हैं। ग्रामीण लहुरमन ने अपना दर्द बयां करते हुए बताया कि जैसे ही रिश्तेदारों को गांव के खराब रास्ते और कीचड़ के बारे में पता चलता है, वे शादी से पीछे हट जाते हैं। कई बार तो बारात आने से ठीक पहले ही लोग रास्ता देखकर इनकार कर देते हैं। सड़क न होने से गांव की बदनामी हो रही है और परिवारों के सामने बेटियों के हाथ पीले करना चुनौती बन गया है।

खाट पर मरीज और एंबुलेंस का इंतजार : ग्रामीणों की समस्या सिर्फ शादियों तक सीमित नहीं है। कलावती नाम की महिला ने बताया कि बारिश में हालात और भी बदतर हो जाते हैं। डिलीवरी के समय एंबुलेंस गांव तक नहीं आ पाती, जिसकी वजह से गर्भवती महिलाओं को खाट पर लिटाकर कीचड़ भरे रास्तों से मुख्य सड़क तक ले जाना पड़ता है। समय पर इलाज न मिलने से कई ग्रामीण अपनी जान भी गंवा चुके हैं।

दो करोड़ का बजट, पर सड़क कहीं और बनी : हैरानी की बात यह है कि इस मोहल्ले की 3.50 किलोमीटर सड़क के लिए करीब दो करोड़ रुपए मंजूर हुए थे। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार विपिन सिंह ने तय जगह पर सड़क न बनाकर उसे पंचायत के दूसरे हिस्से में बनवा दिया। वन विभाग की जमीन पर काम करने की कोशिश में विभाग ने ठेकेदार की जेसीबी भी जब्त की थी।

जांच के बाद होगी कार्रवाई : पीडब्ल्यूडी के ईई एसबी सिंह कर्चुली का कहना है कि सड़क निर्माण में गड़बड़ी की शिकायत कलेक्टर ऑफिस में मिली है। उन्होंने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं।

इंदौर में छत से गिरकर युवती घायल, युवक पर पहली मंजिल से धक्का देने का आरोप

मीडिया ऑडीटर, इंदौर (निप्र)। इंदौर के खजराना क्षेत्र में गुरुवार अलसुबह एक युवती पहली मंजिल की छत से गिरकर घायल हो गई। उसे उपचार के लिए नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले में खजराना पुलिस ने युवती और उसके परिजनों के बयान दर्ज कर आरोपी अनिकेत के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस के अनुसार युवती को उसके परिचित युवक अनिकेत उर्फ टिक्की ने फोन कर छत पर मिलने के लिए बुलाया था। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच पहले से जान-पहचान थी।

रायसेन पुलिस ने 57 स्थाई वारंटी गिरफ्तार किए

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन पुलिस ने आगामी त्योहारों के मद्देनजर एक सघन कॉम्बिंग गश्त अभियान चलाया। इस दौरान 57 स्थाई वारंटियों को गिरफ्तार किया गया और 77 गिरफ्तारी वारंटों की तामील की गई। अभियान में 300 से अधिक पुलिस अधिकारी और कर्मचारी शामिल थे। यह अभियान पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता के निर्देन में चलाया गया। समस्त एसडीओपी के थानावार टीमें गठित की गईं। इन टीमों ने स्थाई और फरार वारंटियों की धरपकड़ के साथ-साथ आदतन अपराधियों, गुंडा, जिला बदर बदमाशों और अन्य आपराधिक लोगों की निगरानी की। अभियान का उद्देश्य जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखना और अपराधियों पर नकेल कसना था। कॉम्बिंग गश्त के दौरान पुलिस ने 250 से अधिक हिस्ट्रीशीटर और इनामी बदमाशों की रात में चेकिंग की। उन्हें आपराधिक और असामाजिक गतिविधियों से दूर रहने की सख्त हिदायत दी गई।

मियोमिर केकमानोविच ने ज्वेरेव को चौंकाया मेक्सिकनो टेलसेल के क्वार्टर-फाइनल में पहुंचे

अकापुल्को (मेक्सिको), एजेंसी। मियोमिर केकमानोविच ने दुनिया के नंबर 4 अलेक्जेंडर ज्वेरेव को तीन सेट के रोमांचक मुकाबले में चौंका दिया और अपनी पहली टॉप 5 जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही वह मेक्सिको के अकापुल्को में एबिएर्तो मेक्सिकनो टेलसेल के क्वार्टर-फाइनल में पहुंच गए। दुनिया में 84वें नंबर पर काबिज 26 साल के सर्बियाई खिलाड़ी ने ढाई घंटे से ज़्यादा चले कड़े मुकाबले में 2021 के चैंपियन को 6-3, 6-7(3), 7-6(4) से हराया। केमानोविच, जो टॉप 5 विरोधियों के खिलाफ अपने पिछले सभी 11 मैच हार चुके थे, ने अपने करियर के सबसे बेहतरीन प्रदर्शनों में से एक दिया, और यादगार जीत पक्की करने के लिए निर्णायक टाई-ब्रेक में अपना धैर्य बनाए रखा। मैच के बाद केकमानोविच ने कहा, %यह बहुत अच्छा लग रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि पिछले कुछ साल मुश्किल रहे हैं। इसलिए मैं खुश हूं कि आखिरकार कुछ चीजें मेरे हिसाब से हो रही हैं। उन्होंने खास मौकों पर अग्रेसिव तरीके से खेला और असरदार सर्व किया, जबकि ज्वेरेव अपने बैकहैंड पर कंसिस्टेंसी के लिए जूझते रहे, उन्होंने 17 अनफोर्स्ड गलतियां कीं, जबकि केकमानोविच ने छह गलतियां कीं।

इस जीत के साथ, केकमानोविच ने जर्मन खिलाड़ी के खिलाफ अपना हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 2-2 से बराबर कर लिया और एटीपी 500 इवेंट के आखिरी आठ में पहुंच गए, जहां उनका सामना फ्रांस के टेरेंस एटमाने से होगा, जिन्होंने राफेल जोडार को 6-2, 4-6, 6-1 से हराया।

दूसरे मैचों में पांचवीं सीड फ्लेवियो कोबोली ने डालिबोर स्वर्सिना को 6-4, 6-4 से हराया और अब उनका अगला मैच चीन के वू यिबिंग से होगा जिन्होंने जापान के शो शिमाबुकुरो को 6-3, 7-6(4) से हराया। इस बीच अमेरिकन ब्रैंडन नाकाशिमा ने अपने ही देश के पैट्रिक किप्सन को 6-4, 6-4 से हराकर अपनी 100वीं टूर-लेवल हार्ड-कोर्ट जीत दर्ज की। किप्सन ने इससे पहले पिछले राउंड में दूसरे सीड एलेक्स डी मिनौर को चौंका दिया था।

जितने ज्यादा मैच खेलेगें, उतना ही मैच टेम्परामेन्ट डवलप होगा

जयपुर, एजेंसी। जयपुर सवाई मान सिंह इंडोर स्टेडियम में गुरुवार को शुरू हुई तीन दिवसीय 20वी ऑल इंडिया हनुमान सिंह महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप-2025-26 का उद्घाटन युवा मामले एवं खेल तथा उद्योग मंत्री, राजस्थान सरकार व ओलम्पिक रजत पदक विजेता कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने किया। राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के अध्यक्ष ललित कुमार कलाल एवं मानद सचिव यश प्रताप सिंह तथा टूर्नामेंट में भाग ले रही प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों ने कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ का स्वागत किया। उद्घाटन के अवसर पर कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल तभी बेहतर होता है, जब खिलाडियों को मौका मिले, खिलाडी जितने ज्यादा मैच खेलेगें, उतना ही मैच टेम्परामेन्ट डवलप होगा। जब आप खेले तो स्कोर बोर्ड की ओर ना देखें और केवल अपने खेल पर ध्यान दे, सफलता मिली तो अच्छा है, नहीं मिली तो कल जरूर मिलेगी, लेकिन प्रयास कभी भी नहीं छोडना चाहिए। हमेशा रेफरी के निर्णय का सम्मान करें। उन्होंने कहा कि जब में सेना में था तब मैंने हैंडबॉल भी खेलता था, आज सबके बीच उपस्थित होकर अच्छा लग रहा है। ऐसे खिलाडियों के बीच जिन्होनें अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन किया है। कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि विगत दिनों जब कोचेस से संवाद कर रहा था तो उन्होंने प्रैक्टिस इंडोर हॉल की आवश्यकता जताई थी। इसके लिए हमने एक प्रस्ताव भिजवा दिया है मुझे उम्मीद है कि मुख्यमंत्री जल्दी ही हैंडबॉल इंडोर प्रैक्टिस हॉल की घोषणा कर सकते है। राज्य हैंडबॉल संघ के मानद सचिव यश प्रताप सिंह ने बताया कि टूर्नामेंट में भाग ले रही प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

गत चैंपियन हिमाचल प्रदेश ने अपना विजयी अभियान शुरू करते हुए पंजाब को 24-19 (19-6) गोलो से हराया। मेजबान राजस्थान ने भी विजयी शुरुवात करते हुए आज अपने दोनों मैचों में जीत दर्ज की। पहले मैच में उन्होंने जहाँ उत्तर प्रदेश को 19-15 (10-9) से हराया। वही दूसरे मैच में सीआईएसएफ को 20-17 (07-07) से हराया।

टी20 वर्ल्ड कप: कप्तान मार्करम ने खेली धमाकेदार पारी

साउथ अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को 9 विकेट से रौंदा

अहमदाबाद, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में साउथ अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को एकतरफा मुकाबले में 9 विकेट से रौंदा। गुरुवार को नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में वेस्टइंडीज से मिले 177 रनों के लक्ष्य को साउथ अफ्रीका ने सिर्फ एक विकेट खोकर 16.1 ओवर में हासिल कर लिया। वेस्टइंडीज से मिले 177 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम को कप्तान एडेन मार्करम और क्विंटन डी कॉक ने तूफानी शुरुआत दी। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने मिलकर पहले विकेट के लिए सिर्फ 48 गेंदों में 95 रन जोड़े। डी कॉक 24 गेंदों में 47 रनों की दमदार पारी खेलने के बाद रोस्टन चेज का शिकार बने। हालांकि, इसके बाद मार्करम को रयान रिकेल्टन के रूप में एक और अच्छा जोड़ीदार मिला। रिकेल्टन-मार्करम ने दूसरे विकेट के लिए 49 गेंदों में 82 रनों की अटूट साझेदारी निभाई। मार्करम 46 गेंदों में 82 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि रिकेल्टन ने 28 गेंदों में 45 रन बनाए और टीम को जीत दिलाकर लौटे। मार्करम ने अपनी धमाकेदार पारी में 7 चौके और 4 छक्के लगाए। वेस्टइंडीज की तरफ से एकमात्र विकेट रोस्टन चेज ने लिया।

इससे पहले वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 176 रन लगाए। टीम की तरफ से रोमारियो शेफर्ड ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 37 गेंदों में 52 रनों की नाबाद पारी खेली। वहीं, जेसन होल्डर ने 31 गेंदों में 49 रन बनाए। हालांकि, होल्डर-शेफर्ड के अलावा टीम के अन्य बल्लेबाज रनों के लिए संघर्ष करते हुए नजर आए।

कप्तान शाई होप 6 गेंदों में 16 रन बनाकर आउट हुए, जबकि ब्रैंडन किंग ने 21 रनों का योगदान दिया। टूर्नामेंट में लगातार रन बना रहे शिमरोन हेटमायर को महज 2 रनों के स्कोर पर कगिसो रबाडा ने पवेलियन भेजा।

रोवमैन पॉवेल भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 9 रन ही बना सके। रोस्टन चेज 2 रन बनाकर आउट हुए, जबकि शेरफेन रदरफोर्ड 12 रन बनाकर कॉर्बिन बॉश का शिकार बने। एक समय पर वेस्टइंडीज 83 के स्कोर पर 7 विकेट गंवाकर मुश्किल में दिख रही थी। हालांकि, होल्डर और शेफर्ड ने 89 रनों की अहम साझेदारी निभाई, जिसके बूते कैरेबियाई टीम सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचने में सफल रही।

साउथ अफ्रीका की तरफ से गेंदबाजी में लुंगी एनगिडी ने 4 ओवर में महज 30 रन खर्च करते हुए 3 विकेट निकाले। वहीं, कगिसो रबाडा और कॉर्बिन बॉश ने दो-दो विकेट चटकाए। साउथ अफ्रीका की यह सुपर-8 राउंड में लगातार दूसरी जीत है। इससे पहले टीम ने भारत को 76 रनों से हराया था।

साउथ अफ्रीका सुपर-8 ग्रुप एक में पहले स्थान पर पहुंच गई है और टीम का नेट रन रेट +2.890 हो गया है। साउथ अफ्रीका की बड़ी जीत से टीम इंडिया को भी फायदा पहुंचा है। भारतीय टीम को अब सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए अपने बचे हुए दोनों मैच जीतने होंगे। वेस्टइंडीज की करारी हार के बाद नेट रन रेट का दबाव सूर्या की सेना के ऊपर से हट गया है।

भारतीय मूल के पूर्व हॉकी खिलाड़ी फारूक मैरिकन का निधन

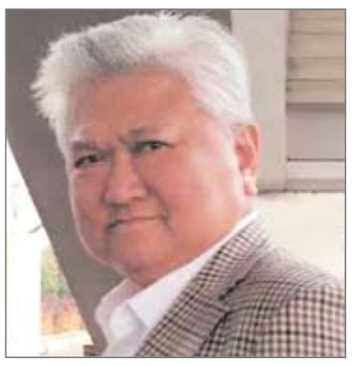

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर के भारतीय मूल के पूर्व हॉकी खिलाड़ी और मैनेजर फारूक मैरिकन अली का निधन हो गया। वह 80 बरस के थे। देश के खेल समुदाय ने अली के निधन पर दुख जताया जो हॉकी को जीते थे और अपने खिलाड़ियों का बहुत ख्याल रखते थे। फारूक के परिवार में 68 साल की पत्नी जैसिंटा एरियोला और 42 साल की बेटी शाईन मैरिकन हैं।

द स्ट्रेट्स टाइम्स की एक खबर के मुताबिक उनके परिवार ने मौत का कारण नहीं बताया। दिग्गज पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञ फारूक डिफेंडर की भूमिका में खेलते थे और 1968 से 1971 तक राष्ट्रीय टीम के लिए खेले। उन्होंने 1982 से 2000 के दशक तक सिंगापुर की पुरुष टीम के मेनेजर की भूमिका निभाई। इस समाचार पत्र से जुड़े रहे पूर्व पत्रकार हकीकत राय ने कहा कि फारूक हमेशा अपने जानने वाले लोगों के साथ दरियादिल रहते थे और वह अपने खिलाड़ियों की बहुत परवाह करते थे। राय ने कहा, फारूक इस खेल के अच्छे जानकार थे। वह क्लब और राष्ट्रीय स्तर पर खेले। उन्हें खेल और नवीनतम ट्रेनिंग तरीकों की गहरी समझ थी। वह जर्मनी में जन्मे मास्टर हॉकी कोच हॉर्स्ट वेन जैसे लोगों के लगातार संपर्क में रहते थे जो हॉकी और फुटबॉल के जाने-माने अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ थे।

चैंपियंस लीग पीएसजी ने मोनाको को हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई

पेरिस, एजेंसी। पेरिस सेंट जर्मन (पीएसजी) ने यूईएफए चैंपियंस लीग प्ले-ऑफ के दूसरे लेग में एएस मोनाको के साथ 2-2 से ड्रॉ खेलते हुए कुल 5-4 की बढ़त के साथ अंतिम-16 में जगह बना ली। पेरिस के घरेलू मैदान पार्क डेस प्रिंसेस में खेले गए इस मुकाबले में रोमांच आखिरी मिनट तक बना रहा। पहले हाफ में मोनाको ने आक्रामक शुरुआत की और हाफ-टाइम से ठीक पहले मैग्नेस अक्लिउचे के शानदार गोल से बढ़त हासिल कर ली। दूसरे हाफ में मैच का रुख तब बदला जब मोनाको के मामादौ कूलिबली को दूसरी बार पीला कार्ड मिलने के बाद मैदान छोड़ना पड़ा। दस खिलाड़ियों के साथ खेल रही मेहमान टीम पर दबाव बढ़ गया। इसके बाद पीएसजी के कप्तान मार्क्विनहोस ने डेसिरे डूए के क्रॉस पर गोल कर बराबरी दिलाई। कुछ ही मिनटों में ख्विचा क्वारात्सखेलिया ने रिबाउंड पर गोल दागकर टीम को बढ़त दिला दी। हालांकि, सब्स्टीट्यूट जॉर्डन टेजे ने अतिरिक्त समय में गोल कर मुकाबले को फिर रोमांचक बना दिया। अंततः पीएसजी ने बढ़त बचाए रखते हुए अगले दौर में प्रवेश कर लिया।

पीएसजी के कोच लुइस एनरिक ने कहा, 'हम क्वालीफाई करने के लायक थे, लेकिन हमें पूरे समय परेशानी झेलनी पड़ी। अगर कोई एक टीम है जिसे मुश्किलों का सामना करने की आदत है, तो वह हम हैं। हमारा ग्रुप सबसे खराब था। हमें काराबाग या मोनाको के खिलाफ खेलना था, और वह बेशक मोनाको था, और अब चेल्सी और बार्सिलोना के बीच, दोनों ही बेहतरीन टीमें हैं। हम तैयार हैं, और हमें इस तरह के मैच खेलने की आदत है। 'इस बीच, गैलाटसराय ने जुवेंटस की शानदार वापसी को रोक दिया और 7-5 के एग्रीगेट स्कोर से राउंड ऑफ 16 में जगह पक्की कर ली।

भारतीय गेंदबाजी की कमजोर कड़ी साबित हो रहे शिवम दुबे

T20 वर्ल्ड कप 2026 में 56 गेंद में दे चुके हैं 124 रन

अहमदाबाद, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में अब तक भारत के ऑलराउंडर शिवम दुबे ने निचले क्रम पर बल्लेबाजी में जरूर प्रभावित किया है और टीम के लिए उपयोगी पारियां खेली हैं, लेकिन गेंदबाजी के मोर्चे पर वो टीम की सबसे कमजोर कड़ी साबित हो रहे हैं। वह जिस तरह से रन लुटाते हैं और विरोधी बल्लेबाजों पर हावी नहीं हो पाते ये टीम इंडिया के लिए बड़ी परेशानी है।

शिवम दुबे जमकर लुटाते हैं रन- जिम्बाब्वे के खिलाफ हो या फिर साउथ अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने अपनी गेंदबाजी स्पैल में जमकर रन लुटाए। हालांकि उन्हें एकाध विकेट मिल भी जाता है, लेकिन इतने रन लुटाकर आप एक विकेट निकाल भी लेते हैं तो इससे टीम को कितना फायदा होता है। टी20 वर्ल्ड कप में अब तक शिवम दुबे की गेंदबाजी बेहद साधारण रही है और ये आंकड़े खुद बोल रहे हैं।

जिबावे के खिलाफ शिवम ने दिए 2 ओवर में 46 रन

जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच में शिवम दुबे ने 2 ओवर में 46 रन लुटाए और उन्हें एक विकेट मिला। साउथ अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने 2 ओवर में 32 रन देकर एक विकेट लिया। नीदरलैंड्स के खिलाफ भी उन्होंने 35 रन लुटाए पर दो सफलता हासिल की। इसके अलावा इस टी20 वर्ल्ड कप में उन्होंने नामीबिया के खिलाफ 11 रन देकर एक विकेट हासिल किया। शिवम दुबे जब गेंदबाजी करते हैं तो ऐसा लगता है कि वो काफी दवाब में हैं। उन्हें गेंदबाजी करता देख ऐसा लगता है जैसे उन्हें जबरदस्ती गेंदबाजी करने को कहा गया है। दुबे दवाब में इस तरह की गेंद फेंकते हैं कि बल्लेबाज उन पर शॉट लगाते हैं और जब वो बचने की कोशिश करते हैं तो वाइड की झड़ी लगा देते हैं। कहा जा रहा था कि शिवम अपनी गेंदबाजी पर काम कर रहे हैं और उसमें सुधार हुआ है, लेकिन ऐसा लग तो नहीं रहा। टी20 वर्ल्ड कप में शिवम दुबे ने अब तक 6 मैच खेले हैं और इसमें उन्हें 4 मैचों में गेंदबाजी करने का मौका मिला है। इन 4 मैचों में उन्होंने कुल 56 गेंदें (9.2 ओवर) फेंकी है और इस पर 125 रन दिए हैं जबकि सिर्फ 5 विकेट उन्हें मिले हैं। उनका औसत 24.40 का रहा है जबकि स्ट्राइक रेट 13.28 का रहा है तो वहीं इकॉनामी रेट 11.20 का है।

तिलक वर्मा ने 275 की स्ट्राइक रेट से रन बनाकर हार्दिक पंड्या को छोड़ा पीछे, युवराज अब भी पहले नंबर पर काबिज

अहमदाबाद, एजेंसी। जिम्बाब्वे के खिलाफ सुपर 8 मुकाबले में भारत को 76 रन से जीत मिली और भारत की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद कायम है। जिम्बाब्वे के खिलाफ इस मैच में तिलक वर्मा को बैटिंग के लिए छठे नंबर पर भेजा गया था और उन्होंने कमाल की पारी खेली। तीसरे नंबर पर तिलक जो कमाल अब तक नहीं कर पाए थे वो कमाल उन्होंने छठे नंबर पर कर दिया। तिलक ने अपनी पारी के दम पर हार्दिक पंड्या का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा।

तिलक वर्मा ने हार्दिक पंड्या को पीछे छोड़ा

तिलक वर्मा ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 16 गेंदों पर 44 रन की पारी खेली और इस दौरान उन्होंने 4 छक्के और 3 चौके भी जड़े। तिलक का स्ट्राइक रेट इस दौरान 275.00 का रहा। इस स्ट्राइक रेट से रन बनाकर उन्होंने हार्दिक पंड्या को पीछे छोड़ दिया।

तिलक वर्मा अब टी20 वर्ल्ड कप के एक मैच में सबसे ज्यादा की स्ट्राइक रेट से रन बनाने वाले भारतीय बैटर्स की लिस्ट में दूसरे नंबर पर आ गए। उन्होंने हार्दिक पंड्या को पीछे छोड़ा जिन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ 269.23 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए थे। इस लिस्ट में युवराज सिंह अब भी पहले नंबर पर बने हुए हैं।

- 62.50 - युवराज सिंह बनाम इंग्लैंड (16 गेंदों पर 58 रन)
- 275.00 - तिलक वर्मा बनाम जिम्बाब्वे (16 गेंदों पर 44* रन)
- 269.23 - हार्दिक पांड्या बनाम अफगानिस्तान (13 गेंदों पर 35* रन)

263.15 - केएल राहुल बनाम स्कॉटलैंड (19 गेंदों पर 50 रन)

जिबावे पर भारत की 72 रन से जीत

टी20 वर्ल्ड कप: साउथ अफ्रीका को सेमीफाइनल का टिकट मिला

चेन्नई, एजेंसी। भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ गुरुवार को एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 मैच में 72 रन से शानदार जीत दर्ज की। इसी के साथ टीम इंडिया ने अपनी सेमीफाइनल की उम्मीदों को जिंदा रखते हुए साउथ अफ्रीका को नॉकआउट में पहुंचा दिया है। साउथ अफ्रीका सुपर-8 के दोनों मुकाबले जीतकर +2.890 नेट रन रेट के साथ ग्रुप-1 में टॉप पर है। वहीं, वेस्टइंडीज 2 में से 1 मैच गंवाकर +1.791 के साथ दूसरे स्थान पर है। भारत 2 में से 1 मैच जीतकर -0.100 के साथ तीसरे पायदान पर है, जबकि जिम्बाब्वे की टीम सुपर-8 में अपने शुरुआती दो मैच गंवाने के बाद खिताबी रेस से बाहर है। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी भारतीय टीम ने 4 विकेट खोकर 256 रन बनाए। भारत को संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 3.4 ओवरों में 48 रन जुटाए। संजू 15 गेंदों में 3 बाउंड्री के साथ 24 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद ईशान किशन ने अभिषेक शर्मा के साथ दूसरे विकेट के लिए 42 गेंदों में 72 रन की साझेदारी करते हुए भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। ईशान 24 गेंदों में 38 रन बनाकर आउट हुए, जबकि अभिषेक शर्मा ने 30 गेंदों में 4 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 55 रन की पारी खेली। इनके अलावा, कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 33 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। भारत ने 14.5 ओवरों में 172 रन तक अपने 4 विकेट गंवा दिए थे। यहां से हार्दिक पंड्या ने तिलक वर्मा के साथ 31 गेंदों में 84 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम इंडिया को टी20 वर्ल्ड कप इतिहास के दूसरे सबसे बड़े स्कोर तक पहुंचाया।

पंड्या ने 23 गेंदों में 4 छक्कों और 2 चौकों के साथ 50 रन की नाबाद पारी खेली, जबकि तिलक वर्मा ने 16 गेंदों में 4 छक्कों और 3 चौकों के साथ नाबाद 44 रन बनाए। विपक्षी खेमे से रिचर्ड नगारवा, ब्लेसिंग मुजरबानी, टिनोटेंडा मापोसा और सिकंदर रजा ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

इसके जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 6 विकेट खोकर 184 रन ही बना सकी। ब्रायन बेनेट ने तदिवानाशे मारुमानी के साथ पहले विकेट के लिए 44 रन की साझेदारी की। मारुमानी 20 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद बेनेट ने डायोन मायर्स के साथ दूसरे विकेट के लिए 28 रन जुटाए। मायर्स टीम के खाते में सिर्फ 6 रन ही जोड़ सके।

यहां से बेनेट ने सिकंदर रजा के साथ तीसरे विकेट के लिए 41 गेंदों में 72 रन जुटाकर टीम को 144 के स्कोर तक पहुंचाया, लेकिन रजा (31) के पवेलियन लौटने के बाद कोई अन्य बल्लेबाज उनका साथ नहीं दे सका। बेनेट अंत तक लड़े, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। उन्होंने 59 गेंदों में 6 छक्कों और 8 चौकों के साथ नाबाद 97 रन बनाए। भारत की तरफ से अर्शदीप सिंह ने 24 रन देकर 3 विकेट निकाले। वरुण चक्रवर्ती, अक्षर पटेल और शिवम दुबे ने 1-1 विकेट हासिल किया।

विधानसभा में बिलासपुर जमीन घोटाले की गूंज

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र के दौरान बिलासपुर में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर सरकारी और सेवाभूमि की जमीन हड़पने का मामला जोरदार तरीके से उठा। बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला ने आरोप लगाया कि एक ही कॉलोनाइजर ने नगर निगम और नगर एवं ग्राम निवेश विभाग के अधिकारियों से मिलीभगत कर बड़े पैमाने पर नियमों का उल्लंघन किया है। उन्होंने दोषी अफसरों और बिल्डर पर कार्रवाई की मांग की।

मामले पर जवाब देते हुए वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने जांच कमेटी गठित करने का आश्वासन दिया।

50 शिकायतें मिलीं, 28 पर आदेश : विधायक के सवाल के जवाब में मंत्री ने बताया कि 2023-24 से 4 फरवरी 2026 तक निर्मित कॉलोनियों और व्यावसायिक परिसरों को लेकर कुल 50 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इनमें 21 बुनियादी सुविधाओं के अभाव, 2 रेरा अनुमति नहीं लेने, 15 रकम वापसी, 11 अधिपत्य दिलाने और 1 क्षतिपूर्ति से जुड़ी हैं। इनमें से 28 मामलों में आदेश पारित किए जा चुके हैं, जबकि 22 शिकायतें प्रक्रियाधीन हैं।

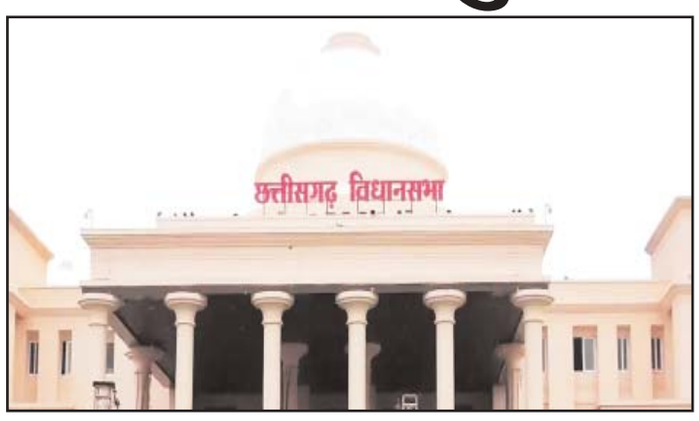

टाउनशिप एक्ट के उल्लंघन का आरोप : विधायक सुशांत शुक्ला ने सदन में आरोप लगाया कि एक ही बिल्डर ने अलग-अलग संस्थानों के नाम पर करीब 100 एकड़ क्षेत्र में टाउनशिप एक्ट का उल्लंघन करते हुए निर्माण कराया। बिना वैध अनुमति टुकड़ों में ले-आउट पास कराए गए। सेवाभूमि और कोटवार को दी गई जमीन को ईडब्ल्यूएस के नाम पर पास कराने का भी आरोप लगाया गया। उन्होंने संबंधित बिल्डर की जमीन की खरीदी-बिक्री पर रोक लगाने की मांग की।

सरकंडा में भी फर्जीवाड़े का आरोप : विधायक ने बिलासपुर के सरकंडा क्षेत्र के तीन खसरा नंबरों का उल्लेख करते हुए कहा कि टाउन एंड कंट्री प्लानिंग की अनुमति के बिना नगर निगम ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर अनुज्ञा जारी कर दी। उन्होंने उक्त अनुज्ञा निरस्त करने और जमीन की खरीदी-बिक्री पर तत्काल रोक लगाने की मांग की।

अफसरों पर गलत जानकारी देने का आरोप : सदन में विधायक ने यह भी आरोप लगाया कि संबंधित अफसरों ने मंत्री को गलत जानकारी दी और विधानसभा में भ्रामक जवाब प्रस्तुत कराया। उन्होंने पूछा कि क्या ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

इस पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि सभी दस्तावेज उपलब्ध कराए जाएं। विभागीय अधिकारियों, नगर एवं ग्राम निवेश और नगर निगम के अधिकारियों को शामिल कर जांच कमेटी गठित की जाएगी। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

नेशनल हाईवे पर अवैध पार्किंग के खिलाफ NSUI ने यातायात प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। नेशनल हाईवे पर अवैध रूप से खड़े किए जा रहे ट्रकों और भारी वाहनों के विरोध में रायपुर जिला एनएसयूआई ने गुरुवार को टाटीबंध यातायात थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर सख्त कार्रवाई की मांग की। रायपुर जिला एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष प्रशांत गोस्वामी के निर्देशानुसार सुमित शुक्ला के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने टाटीबंध चौक से लेकर अटारी ओवर ब्रिज तक नेशनल हाईवे पर सड़क किनारे अवैध रूप से खड़े किए जाने वाले ट्रकों और भारी वाहनों की समस्या को उठाया। एनएसयूआई नेताओं ने बताया कि सड़क पर भारी वाहनों की अवैध पार्किंग के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं और बड़ी घटना की आशंका बनी रहती है। इससे स्थानीय नागरिकों, स्कूली छात्रों और रोजाना आवागमन करने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। संगठन ने मांग की कि संबंधित क्षेत्र में नियमित पेट्रोलिंग बढ़ाई जाए, अवैध पार्किंग करने वाले वाहन चालकों पर चालानी कार्रवाई की जाए तथा स्थायी समाधान के लिए ठोस व्यवस्था बनाई जाए। ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला उपाध्यक्ष शिवांक सिंह, जिला सचिव अनुज सिंह, शिवेंद्र सौरभ, राहुल साहू, श्रीजन साहू, पुष्पेंद्र जायसवाल, भावेश शुक्ला, शिवम गोस्वामी, सोनू वर्मा, झम्मन साहू, मनजोत गिल, प्रियांशु भोई उपस्थित रहे।

KKPL-2026 महाकाल इलेवन और महर्षि विश्वामित्र फाइनल में

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कान्यकुब्ज युवा मंडल द्वारा कान्यकुब्ज सभा-शिक्षा मंडल के तत्वावधान में आयोजित प्रदेश स्तरीय ÷कान्यकुब्ज प्रीमियर लीग-2026÷ के तीसरे दिन खेले गए सेमीफाइनल मुकाबलों में महाकाल इलेवन लवन और महर्षि विश्वामित्र बिलासपुर ने जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

सुभाष स्टेडियम, नलघर चौक, रायपुर में 26 फरवरी को खेले गए पहले सेमीफाइनल में महाकाल इलेवन लवन ने द्रोणाचार्य रायपुर को हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए महाकाल इलेवन ने 5 विकेट पर 187 रन बनाए।

चंदन पाण्डेय ने 96 रन की आक्रामक पारी खेली, जबकि ईशान बाजपेयी 36 रन बनाकर नाबाद रहे। जवाब में द्रोणाचार्य रायपुर की टीम 120 रन पर सिमट गई। उत्कर्ष मिश्रा ने 16 गेंदों में 56 रन बनाकर संघर्ष किया, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके।

दूसरे सेमीफाइनल में चाणक्य चैलेंजर्स रायपुर ने महर्षि विश्वामित्र बिलासपुर के सामने 100 रन का लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करते हुए महर्षि विश्वामित्र बिलासपुर ने 2 विकेट खोकर 100 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। अक्षत बाजपेयी ने 19 गेंदों में 53 रन की तेज पारी खेलकर जीत की राह आसान की।

आज फाइनल मुकाबला महाकाल इलेवन लवन और महर्षि विश्वामित्र बिलासपुर के बीच दोपहर 1 बजे से खेला जाएगा। इसके बाद शाम 4 बजे आशीर्वाद भवन, बैरन बाजार, रायपुर में पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित होगा।

आज के मैचों के दौरान समाज के अध्यक्ष सुरेश मिश्रा, सचिव राज कुमार दीक्षित, पदाधिकारी और कार्यकारिणी सदस्यगण के साथ कान्यकुब्ज युवा मंडल के संगम तिवारी, प्रभात पाण्डेय, लखन बाजपेयी, राघवेन्द्र पाठक, अभिषेक मिश्रा, आशीष बाजपेयी, अजय बाजपेयी और अमित तिवारी सहित बड़ी संख्या में समाज के सदस्य उपस्थित रहे। प्रतियोगिता को लेकर दर्शकों में खासा उत्साह देखा गया।

विधानसभा में गूंजा जमीन मुआवजा का मुद्दा, मंत्री वर्मा ने कहा- संयुक्त जांच टीम बनेगी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र के दौरान शुक्रवार को सदन में जमीन मुआवजा का मामला जोर-शोर से उठा। ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के तहत धरम लाल कौशिक ने जमीन अधिग्रहण और मुआवजा वितरण में हो रही देरी का मुद्दा उठाया। मामले की गंभीरता को देखते हुए मंत्री टंक राम वर्मा ने तत्काल कार्रवाई का भरोसा दिलाया। उन्होंने घोषणा की कि पूरे प्रकरण की जांच के लिए संयुक्त टीम का गठन किया जाएगा। यह टीम राजस्व विभाग और National Highways Authority of India (एनएचएआई) के अधिकारियों की होगी, जो जमीन अधिग्रहण और मुआवजा वितरण से जुड़े मामलों की विस्तृत जांच करेगी।

विस बजट सत्र: प्रश्नकाल में हंगामा, विपक्ष का दो बार वॉकआउट

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के प्रश्नकाल के दौरान सदन में तीखी बहस और नारेबाजी देखने को मिली। सड़क निर्माण और बजट के बीच वित्तीय स्वीकृति के मुद्दे पर विपक्ष ने दो बार वॉकआउट किया। संजारी-बालोद विधानसभा क्षेत्र से विधायक संगीता सिन्हा ने वित्तीय वर्ष 2023-24, 2024-25 और 2025-26 के बजट में शामिल कार्यों की प्रगति पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि 3 फरवरी 2026 तक किन-किन कार्यों को कितनी वित्तीय स्वीकृति दी गई है और कौन से प्रस्ताव वित्त विभाग में लंबित हैं।

वित्त मंत्री का जवाब : वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने बताया कि स्वीकृत राशि की जानकारी प्रपत्र के अनुसार उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि वित्त निर्देश 25/2012 के तहत पहले विभागों को 3 करोड़ रुपये तक प्रशासकीय स्वीकृति का अधिकार था, जिसे स्थायी वित्त निर्देश 15/2025 (14 मई 2025) के जरिए बढ़ाकर 5 करोड़ रुपये कर दिया गया है, ताकि कार्यों में तेजी लाई जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि 3 फरवरी 2026 की स्थिति में संजारी-बालोद क्षेत्र के कोई भी प्रस्ताव वित्त विभाग में लंबित नहीं हैं। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने स्वीकृति की घोषणा को लेकर सवाल उठाया। मंत्री के जवाब पर असंतोष जताते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विपक्ष के क्षेत्रों के काम नहीं करना चाहती। इसके बाद विपक्षी सदस्यों ने नारेबाजी की और सदन से वॉकआउट कर दिया। कृषि मंत्री से जुड़े सवालों पर भी चर्चा प्रश्नकाल के दौरान कृषि विभाग से जुड़े लगातार तीन सवालों के जवाब कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने दिए।

चार जिलों में संशोधित गाइडलाइन दरें 27 से लागू

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में 20 नवम्बर 2025 से नवीन गाइडलाइन दरें लागू की गई हैं। राज्य शासन द्वारा जिला मूल्यांकन समितियों को निर्देश जारी किए गए थे कि स्थानीय परिस्थितियों एवं आवश्यकताओं के अनुसार गाइडलाइन दरों में संशोधन संबंधी प्रस्ताव केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड को भेजे जा सकते हैं।उक्त निर्देशों के अनुरूप दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा तथा बलरामपुर-रामानुजगंज जिलों की जिला मूल्यांकन समितियों से संशोधित प्रस्ताव प्राप्त हुए। इन प्रस्तावों पर विचार हेतु महानिरीक्षक पंजीयन की अध्यक्षता में केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड की बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिलों से प्राप्त प्रस्तावित गाइडलाइन दरों का परीक्षण कर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में समग्र परीक्षण के पश्चात केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड द्वारा दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा एवं बलरामपुर-रामानुजगंज जिलों की जिला मूल्यांकन समितियों से प्राप्त गाइडलाइन दरों के प्रस्तावों का अनुमोदन प्रदान किया गया। केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड द्वारा अनुमोदित नवीन गाइडलाइन दरें उपरोक्त चारों जिलों में दिनांक 27 फरवरी से प्रभावशील होंगी। आम नागरिक एवं संबंधित हितधारक नवीन दरों की जानकारी संबंधित जिला पंजीयन कार्यालयों तथा विभाग की आधिकारिक वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।अन्य जिलों की संशोधित गाइडलाइन दरें भी शीघ्र जारी की जाएंगी।

पीजी डिप्लोमा इन फैमिली मेडिसिन दीक्षांत समारोह, स्वास्थ्य मंत्री ने डॉक्टरों को दिया प्रमाणपत्र

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राजधानी के सिविल लाइन स्थित सर्किट हाउस में क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर द्वारा आयोजित पी. जी. डिप्लोमा इन फैमिली मेडिसिन के दीक्षांत समारोह का आयोजन हुआ। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने समारोह में सफलतापूर्वक डिप्लोमा पाठ्यक्रम पूर्ण करने वाले सभी डॉक्टरों को प्रमाणपत्र प्रदान किया। स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि यह पाठ्यक्रम चिकित्सा पेशेवरों की उत्कृष्ट शिक्षा, समर्पण एवं सेवा भावना को मान्यता प्रदान करता है। फैमिली मेडिसिन की यह विशेष प्रशिक्षण व्यवस्था न केवल चिकित्सकों के कौशल को सुदृढ़ करती है, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री ने अपने संदेश में कहा कि संस्थान से प्राप्त ज्ञान और व्यावहारिक कौशल के माध्यम से ये सभी चिकित्सक समाज के अंतिम व्यक्ति तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में अग्रणी भूमिका निभाएंगे तथा प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाने में योगदान देंगे

चार जिलों में संशोधित गाइडलाइन दरें आज से लागू

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में 20 नवम्बर 2025 से नवीन गाइडलाइन दरें लागू की गई हैं। राज्य शासन द्वारा जिला मूल्यांकन समितियों को निर्देश जारी किए गए थे कि स्थानीय परिस्थितियों एवं आवश्यकताओं के अनुसार गाइडलाइन दरों में संशोधन संबंधी प्रस्ताव केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड को भेजे जा सकते हैं। उक्त निर्देशों के अनुरूप दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा तथा बलरामपुर-रामानुजगंज जिलों की जिला मूल्यांकन समितियों से संशोधित प्रस्ताव प्राप्त हुए। इन प्रस्तावों पर विचार हेतु महानिरीक्षक पंजीयन की अध्यक्षता में केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड की बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिलों से प्राप्त प्रस्तावित गाइडलाइन दरों का परीक्षण कर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

लोक निर्माण विभाग ने पांच सड़कों के लिए 109 करोड़ की निविदा को दी मंजूरी

उप मुख्यमंत्री साव ने संबंधित कार्यपालन अभियंताओं को अनुबंधित समयावधि में काम पूर्ण कराने के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ सरकार ने बीजापुर, बलौदाबाजार-भाटापारा और रायपुर जिले में 5 सड़कों के लिए 108 करोड़ 96 लाख रुपये की निविदा को मंजूरी दी है। इस राशि से तीनों जिले में पुल-पुलियों सहित कुल 73.86 किलोमीटर सड़क का निर्माण किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने शुक्रवार को संबंधित कार्यपालन अभियंताओं को अनुबंधित समयावधि में काम पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देते हुए मापदंडों के अनुरूप सभी सड़कों और पुल-पुलियों के निर्माण सुनिश्चित करने को कहा है। लोक निर्माण विभाग ने बीजापुर जिले में 42.56 किलोमीटर लंबे पिनकोंडा से चेरपाल मार्ग के लिए 47 करोड़ 64 लाख रुपये की निविदा स्वीकृत की है। इस मार्ग में 80 पुल-पुलिया भी बनाए जाएंगे।

विभाग ने बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में 7 किलोमीटर लंबाई में पुल-पुलियों सहित रिसदा बायपास मार्ग के निर्माण के लिए 11 करोड़ 91 लाख रुपये के निविदा को मंजूरी दी है। लोक निर्माण विभाग ने रायपुर जिले में 9 किलोमीटर लंबाई के भानसोज-बरछा-मालीडीह-खौली मार्ग के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण के लिए 20 करोड़ 17 लाख रुपये की निविदा स्वीकृत की है। इसमें मार्ग में पड़ने वाले पुल-पुलियों के निर्माण भी शामिल हैं। रायपुर में ग्राम चरौदा-धरसींवा में 3.20 किलोमीटर फोरलेन गौरवपथ के निर्माण के लिए 14 करोड़ 81 लाख रुपये तथा रायपुर रेलवे स्टेशन से शदाणी दरबार तक एक्सप्रेस-वे में 12.10 किलोमीटर लंबाई में डामर नवीनीकरण कार्य के लिए 14 करोड़ 43 लाख रुपए की निविदा को भी लोक निर्माण विभाग ने मंजूरी दी है। विभाग ने संबंधित कार्यपालन अभियंताओं को अनुबंधित कार्यों का संपादन और पर्यवेक्षण विभागीय मापदंडों के अनुसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। ये कार्य किसी अन्य को सब-लेट नहीं किए जाएंगे तथा कार्य संपादन के लिए पावर-ऑफ-अटॉर्नी मान्य नहीं होगी।

छत्तीसगढ़ विधानसभा पहुंचे 120 आत्मसमर्पित नक्सली, लोकतांत्रिक प्रक्रिया से हुए रूबरू

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ सरकार की पुनर्वास नीति के तहत आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटे 120 पूर्व नक्सलियों ने शुक्रवार को छत्तीसगढ़ विधानसभा पहुंचकर सदन की कार्यवाही देखी। इस पहल का उद्देश्य पूर्व नक्सलियों को लोकतांत्रिक व्यवस्था और बैलेट की ताकत से परिचित कराना रहा।

विधानसभा पहुंचे आत्मसमर्पित नक्सलियों में 66 पुरुष और 54 महिलाएं शामिल थीं। इनमें नक्सल संगठन के पूर्व सेंट्रल कमेटी सदस्य रूपेश, बसवा, चैतू, ललिता और राजू भी मौजूद रहे। संगठन में सामान्य सदस्य रहे पूर्व नक्सलियों ने दर्शक दीर्घा से कार्यवाही देखी, जबकि सेंट्रल कमेटी स्तर के नेताओं को अध्यक्षीय दीर्घा में बैठाकर सदन की कार्यवाही दिखाई गई।

इस समूह में 25 लाख रुपये का इनामी और वर्ष 2013 के झीरम घाटी हमले का कथित मास्टरमाइंड चैतू करीब 35 वर्ष जंगलों में बिताने के बाद नवंबर 2025 में आत्मसमर्पण किया था और अब सामान्य जीवन की ओर लौट चुका है।

विधानसभा अध्यक्ष तथा सदन के सदस्यों ने इन सभी का स्वागत करते हुए समाज की मुख्यधारा में लौटने पर शुभकामनाएं दीं। सरकार का मानना है कि लोकतांत्रिक संस्थाओं से सीधा परिचय पुनर्वास प्रक्रिया को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री सह गृह मंत्री विजय शर्मा ने सदन को जानकारी देते हुए बताया कि अब तक राज्य में 2937 नक्सली पुनर्वास नीति का लाभ लेकर मुख्यधारा से जुड़ चुके हैं। उन्होंने इसे छत्तीसगढ़ विधानसभा के इतिहास का महत्वपूर्ण दिन बताते हुए कहा कि लोकतंत्र में हिंसा छोड़कर लौटने वालों का स्वागत और सम्मान किया जाना चाहिए। विधानसभा भ्रमण से पहले गुरुवार रात उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने निवास पर सभी आत्मसमर्पित नक्सलियों के सम्मान में रात्रिभोज का आयोजन भी किया, जहां उनसे संवाद कर पुनर्वास और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की गई।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) से बदली भुइरी बाई की जिंदगी

कच्चे झोपड़े से पक्के मकान तक शासन की योजनाओं से मिला सम्मानपूर्ण जीवन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं जरूरतमंद परिवारों के जीवन में सकारात्मक और स्थायी परिवर्तन ला रही हैं। जिले की हितग्राही भुइरी बाई पति कांशीराम कभी कच्चे मकान में कठिन परिस्थितियों में जीवन यापन कर रही थीं, लेकिन आज प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत बने पक्के घर में सुरक्षित और सम्मानपूर्वक जीवन जी रही हैं।

कच्चे घर की तकलीफों से मिली मुक्ति : सरगुजा जिला के लखनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत कुंवरपुर की हितग्राही भुइरी बाई पति कांशीराम बताती हैं कि पहले वे कच्चे घर में रहती थीं, जहां हर मौसम में परेशानियों का सामना करना पड़ता था। बारिश में पानी टपकता था, दीवारें कमजोर थीं और दैनिक जीवन की सामान्य गतिविधियां भी कठिन हो जाती थीं। ऐसे में पक्के घर का सपना उनके लिए बहुत बड़ा था, जो संसाधनों के अभाव में अधूरा ही लग रहा था।

संघर्ष के बीच पक्की छत का संबल: भुईरी बाई ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत उनके पति काशीराम के नाम स्वीकृत हुआ था। उन्होंने अपने पति के साथ मिलकर पक्का घर बनाने का निर्णय लिया। लेकिन दुर्भाग्यवश, घर निर्माण के दौरान उनके पति का निधन हो गया, किंतु शासन की सहायता से बना यह पक्का आवास आज उनके जीवन का सहारा बना हुआ है। वे उसी घर में सुरक्षित रूप से निवास कर रही हैं।

शासन की योजनाओं से बदली तस्वीर : भुइरी बाई ने बताया कि यदि शासन की आर्थिक सहायता नहीं मिलती, तो वे कभी भी पक्का मकान नहीं बना पातीं। आज उन्हें न केवल मजबूत और सुरक्षित आवास मिला है, बल्कि अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ भी प्राप्त हो रहा है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत उन्हें नियमित रूप से चावल, दाल एवं शक्कर मिल रही है, जिससे खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित हुई है। वहीं उज्ज्वला योजना के माध्यम से गैस कनेक्शन मिलने से अब वे धुएं से मुक्त वातावरण में भोजन बनाती हैं, जिससे स्वास्थ्य और सुविधा दोनों में सुधार हुआ है।

सुशासन का जीवंत उदाहरण : भुईरी बाई भावुक होकर बताती हैं कि अब उन्हें किसी प्रकार की चिंता नहीं है। पक्के घर में आराम और सुरक्षित जीवन जीना संभव हो पाया है। उन्होंने ने प्रधानमंत्री मोदी एवं मुख्यमंत्री साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन ने उनका पक्का मकान का सपना पूरा किया है और उन्हें सम्मान के साथ जीवन जीने का अवसर दिया है।

सरगुजा जिला प्रशासन द्वारा पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पारदर्शिता और प्राथमिकता के साथ पहुंचाया जा रहा है, ताकि प्रत्येक जरूरतमंद परिवार को सुरक्षित आवास, खाद्य सुरक्षा और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। जिससे समाज के हर वर्ग का जीवन स्तर बेहतर हो सके।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा